दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्ष: 31 | अंक: 222 | भोपाल, मंगलवार 25 अगस्त 2026 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1 रुपए

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

वर्तमान समय में स्किल नई करेंसी और इनोवेशन नई इकोनॉमी है : मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत को उसके सामर्थ्य से परिचित कराया

- एक संस्थानझएक संकल्प का विचार मध्यप्रदेश के भविष्य निर्माण की कार्ययोजना है
- प्रदेश में स्थित केन्द्रीय संस्थाओं की समृद्ध मध्यप्रदेश @ 2047 के लक्ष्य प्राप्ति में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक दिवसीय कॉन्क्लेव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश सभी क्षेत्रों में सशक्त हो रहा है। भारत के पास अपने सामर्थ्य से हर प्रकार की चुनौती से निपटने की क्षमता है। जिस प्रकार रामायण में जामवंत ने समुद्र लांघने के लिए हनुमान जी को उनकी शक्ति से परिचित कराया था, उसी प्रकार प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत को उसके सामर्थ्य से परिचित कराया है। आज स्किल नई करेंसी है और इनोवेशन नई इकोनामी। हमारी संस्थाओं को कौशल, शोध, नवाचार और उद्यमिता का केंद्र बनना होगा। पब्लिकेशन से लेकर पेटेंट तक, पेटेंट से प्रोटोटाइप तक और प्रोटोटाइप से लेकर एंटरप्राइज की इकोनामिक और नॉलेज वैल्यू चैन की स्थापना करनी होगी। मध्यप्रदेश अवसरों की धरती है और प्रतिभाशाली युवा, प्राकृतिक संसाधन, कृषि शक्ति, उद्यमशीलता और औद्योगिक क्षमता हमारे संसाधन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कंट्रीब्यूशन ऑफ सेंट्रली फंडेड इंस्टीटयूशन्स फॉर समृद्ध मध्यप्रदेश @2047 पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में दीप प्रज्जलित कर कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया। वन इंस्टीट्यूट्झवन प्रॉमिस रही कॉन्क्लेव की थीम मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर स्मारिका-समृद्ध मध्यप्रदेश @ 2047 केन्द्रीय संस्थाओं का सम्मेलन विमोचन किया। कॉन्क्लेव अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान द्वारा आयोजित किया गया। वन इंस्टीट्यूट्झवन प्रॉमिस की थीम पर आयोजित कॉन्क्लेव का उद्देश्य प्रदेश में स्थित केन्द्रीय संस्थाओं की समृद्ध मध्यप्रदेश @2047 के लक्ष्य प्राप्ति में भागीदारी और सहभागिता सुनिश्चित करना है। कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र में विभिन्न संस्थाओं के बीच एमओयू का आदान-प्रदान हुआ। संस्थानों में उपलब्ध ज्ञान और तकनीक का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के विभिन्न केंद्रीय संस्थानों के प्रतिनिधियों का एक मंच पर एकत्र होना मध्यप्रदेश के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर है। इससे संस्थानों को अपनी उपलब्धियां, विशेषज्ञता और भविष्य की योजनाएं साझा करने के साथ प्रदेश की आवश्यकताओं के अनुरूप योगदान देने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि संस्थानों में उपलब्ध ज्ञान और तकनीक का लाभ प्रयोगशालाओं और परिसरों तक सीमित न रहकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। एक संस्थानझएक संकल्प केवल एक विचार नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश के भविष्य के निर्माण की कार्ययोजना है। प्रत्येक संस्थान प्रदेश के विकास से संबंधित ऐसा व्यावहारिक संकल्प ले, जिसे निश्चित समय-सीमा में धरातल पर उतारा जा सके। राज्य सरकार इन संकल्पों और नवाचारों को क्रियान्वित करने में पूरा सहयोग प्रदान करेगी। स्पष्ट दृष्टि और सामूहिक इच्छाशक्ति से समस्याओं का समाधान संभव मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुनिया के अनेक देशों ने विपरीत परिस्थितियों से उभरकर ज्ञान, अनुशासन और तकनीकी क्षमता के आधार पर उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्तमान भारत भी रक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, डिजिटल तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है। आधुनिक तकनीक ने देश की सीमाओं की सुरक्षा और विभिन्न चुनौतियों से निपटने की हमारी क्षमता को सुदृढ़ किया है। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति के लिए राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ परस्पर सहयोग भी आवश्यक है। प्रत्येक राज्य आगे बढ़ेगा, तभी भारत विकसित राष्ट्र बनेगा। राजस्थान के साथ वर्षों से लंबित जल संबंधी विषयों को संवाद और सहयोग से आगे बढ़ाने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्पष्ट दृष्टि और सामूहिक इच्छाशक्ति से जटिल समस्याओं का भी समाधान संभव है। युवाओं के कौशल को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित किया जाए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में पर्याप्त प्राकृतिक संसाधन, भूमि, युवा शक्ति और संस्थागत क्षमता उपलब्ध है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत को उसके सामर्थ्य से परिचित कराया

सीजेपी ने देशव्यापी आंदोलन का किया आह्वान

पांच सितंबर को इंडिया गेट से शुरू होगा मार्च

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने पांच सितंबर 2026 को नई दिल्ली में शांतिपूर्ण प्रदर्शन मार्च का एलान किया है। संगठन के मुताबिक मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जाएगा। सीजेपी का आरोप है कि 25 जुलाई को युवाओं से किए गए आश्वासनों के बाद देशभर में चल रहा युवा आंदोलन भरोसे के आधार पर वापस लिया गया था, लेकिन एक महीने बाद भी सरकार की ओर से ठोस कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है। संगठन का कहना है कि इसी वजह से युवाओं को दोबारा लोकतांत्रिक तरीके से सडक पर उतरना पड़ रहा है। सीजेपी के राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में 25 जुलाई को किए गए कथित वादों की प्रगति की

समीक्षा की गई। संगठन का दावा है कि केंद्र सरकार और भाजपा तथा राजग शासित राज्यों ने युवाओं को जो भरोसा दिया था, उसे पूरा करने की दिशा में पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए। सीजेपी ने आरोप लगाया कि सरकार कार्रवाई में देरी कर रही है और तकनीकी कारणों का सहारा लेकर स्पष्ट जवाब देने से बच रही है। संगठन के अनुसार, युवाओं ने सरकार के आश्वासनों पर भरोसा करके अपना राष्ट्रव्यापी आंदोलन वापस लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने मांगी थी एफआईआर की पूरी सूची सीजेपी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 18 अगस्त को केंद्र से छात्रों और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर की लिस्ट मांगी थी। पार्टी का दावा है कि कोर्ट अनुच्छेद 142 के तहत इन मामलों को रद्द करने पर विचार कर सकता था। सीजेपी का आरोप है कि केंद्र ने एफआईआर की सूची देने की स्पष्ट प्रतिबद्धता नहीं जताई।

वादे पूरे होने तक पीछे नहीं हटेंगे

सीजेपी नेताओं सौरव दास और रत्ना सिंह ने कहा कि सरकार को आंदोलन खत्म होने के बाद किए गए वादे पूरे करने चाहिए। सभी एफआईआर वापस लेनी चाहिए और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई रोकनी चाहिए। वहीं, सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने सभी राज्यों के शिक्षा मंत्रियों को लेटर लिखा है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं, इसकी जानकारी दें।

मार्च में कौन-कौन शामिल होगा?

सीजेपी के अनुसार, इस मार्च की अगुवाई नीट से जुड़े मृत छात्रों के परिवार और कथित पुलिस ज्यादती के पीड़ित परिवार करेंगे। इनके साथ छात्र, युवा संगठन और देशभर से युवा नागरिकों के शामिल होने की अपील की गई है। संगठन ने कहा है कि प्रदर्शन का उद्देश्य किसी तरह का हिंसक टकराव नहीं, बल्कि सरकार से अपने वादे पूरे करने की मांग करना है। सीजेपी ने युवाओं और छात्र संगठनों से 5 सितंबर को इंडिया गेट पहुंचने और शांतिपूर्ण तरीके से मार्च में शामिल होने की अपील की है। सरकार पर क्या आरोप लगा रहा है सीजेपी? सीजेपी का आरोप है कि सरकार ने 25 जुलाई को सार्वजनिक रूप से किए गए आश्वासनों के बाद युवाओं को घर लौटने के लिए भरोसा दिया, लेकिन अब उन वादों पर पीछे हटती दिखाई दे रही है। संगठन ने कहा कि युवाओं के भरोसे को कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। सीजेपी के मुताबिक, एक पूरी पीढ़ी ने सरकार की बात पर भरोसा करके आंदोलन वापस लिया था और अब वह अपने वादों को पूरा करने की मांग कर रही है। क्या मार्च को शांतिपूर्ण रखने का दावा किया गया है? सीजेपी ने स्पष्ट किया है कि 5 सितंबर का मार्च शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक रहेगा। संगठन का कहना है कि परिवारों और युवाओं की मौजूदगी इस आंदोलन को अपनी मांगों के प्रति गंभीर बनाएगी। सीजेपी ने कहा कि जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया है, वे मार्च की अगली कतार में होंगे और पुलिस कार्रवाई के पीड़ित उनके साथ चलेंगे।

पंजाब एसआईआर में पूर्व राजदूत से मांगे नागरिकता के सबूत, बोले

जब मुझे परेशानी हुई तो आम लोगों का क्या होगा

लुधियाना। तीन देशों में भारत के राजदूत रह चुके पूर्व भारतीय विदेश सेवा अधिकारी नवदीप सूरी ने देश में चल रही वोटर लिस्ट की विशेष जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पंजाब में इस प्रक्रिया से गुजरते समय पूर्व राजनयिक को वोटर लिस्ट में नाम जांचने के नाम पर अपनी नागरिकता साबित करने जैसी स्थिति का सामना करना पड़ा। सूरी ने सोशल मीडिया पर अपना कड़वा अनुभव शेयर करते हुए बताया कि जब 2003 की वोटर लिस्ट से उनका रिकॉर्ड मेल नहीं खाया, तो उनसे अतिरिक्त कागजात मांगे गए। उन्होंने सीधा सवाल उठाया कि जब तीन देशों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके पूर्व राजदूत से नागरिकता का सबूत मांगा जा रहा है, तो देश के आम और गरीब नागरिकों का क्या हाल होगा? इस घटना के बाद चुनाव आयोग की इस पूरी प्रक्रिया पर बहस छिड़ गई है। नवदीप सूरी ने कहा कि जांच के दौरान अधिकारी 2003 की पुरानी वोटर लिस्ट से जानकारी मिला रहे हैं।

आधार और वोटर आईडी होने पर भी सवाल क्यों

पूर्व राजदूत ने बताया कि उन्होंने बूथ अफसर को अपना वोटर आईडी और आधार कार्ड जमा कर दिया था और उन्हें कहा गया था कि सब ठीक है। लेकिन बाद में उनसे और कागजात मांगे गए। उन्होंने पूछा कि जब सरकार के दिए मुख्य पहचान पत्र मौजूद हैं, तो भी नागरिकता पर सवाल क्यों उठाया जा रहा है? सूरी के मुताबिक, अफसरों ने उनसे नोटिस लेने और नागरिकता साबित करने वाले कागजात लाने को कहा, लेकिन यह साफ नहीं बताया कि कौन से कागजात चाहिए।

सार-समाचार

गोलीबारी में सीआरपीएफ जवान घायल

इंफाल। मणिपुर के सेनापति जिले में दो गुटों के बीच गोलीबारी में सीआरपीएफ का जवान घायल हो गया और कई घर जला दिए गए, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने सडकें जाम कर दीं। पुलिस ने बताया कि सोमवार को उपद्रवियों ने कांगपोकपी जिले के तापहोउ कुकी गांव में तड़के करीब 2.30 बजे एक घर में आग लगा दी। घटना के बाद, सुबह 4 बजे सेनापति जिले के नागा तापहोउ में कई घर जला दिए गए। सुबह करीब 9.20 बजे तापहोउ नागा इलाके में दो गुटों के बीच गोलीबारी में सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया। आगजनी की घटनाओं के बाद विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गए, स्थानीय लोग सेनापति गेट पर जमा हुए और नेशनल हाईवे 2 पर लकड़ी के और टायर जलाए, जिससे गाड़ियों की आवाजाही प्रभावित हुई।

चाइल्ड यूनिट में आग, 3 नवजातों की मौत

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती जिला महिला अस्पताल के एनआईसीयू में सोमवार सुबह करीब 3:30 बजे आग लग गई। हादसे में 3 नवजातों की मौत हो गई। घटना अस्पताल की तीसरी मंजिल पर हुई, जहां आग के बाद धुआं फैल गया। उस समय एनआईसीयू में 39 नवजात भर्ती थे। आग लगते ही डॉक्टरों, नर्सों और अस्पताल कर्मचारियों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर कई बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। अमरावती के पुलिस कमिश्नर राकेश ओला के मुताबिक, एनआईसीयू के तीन कंपार्टमेंट में से एक में 9 नवजात भर्ती थे। आग की चपेट में आने से इनमें से 3 की मौत हो गई, जबकि बाकी 6 को इलाज के लिए दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। इन 6 बच्चों की मौजूदा स्थिति को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस के मुताबिक, शुरूआती जांच में एनआईसीयू में लगे वेंटिलेटर के अंदर धमाके के बाद आग लगने की आशंका है।

क्लोरीन गैस लीक, 40 से ज्यादा लोग बीमार

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर के गोधनी इलाके में देर रात करीब 1 बजे वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से क्लोरीन गैस लीक हो गई। 900 किलो क्षमता वाले सिलेंडर से गैस निकलकर आसपास के रिहायशी इलाकों में फैल गई। इससे 40 से ज्यादा लोगों की तबीयत बिगड़ गई। कई लोगों को खांसी और सांस लेने में परेशानी हुई। पुलिस और प्रशासन ने आसपास के लोगों को सुरक्षित जगह जाने की सलाह दी। घटना की सूचना मिलते ही नगर निगम की फायर ब्रिगेड, ऑरेंज सिटी वाटर और टीमें मौके पर पहुंचीं। कुछ लोगों को स्पर्श अस्पताल और मेयो अस्पताल ले जाया गया। करीब साढ़े चार घंटे चले ऑपरेशन के बाद गैस रिसाव की तीव्रता कम हुई। टीम ने सिलेंडर को निकालकर कास्टिक सोडा वाले पानी के टैंक में डुबो दिया।

पटना आ रही फ्लाइट से पक्षी टकराया

पटना। पटना एयरपोर्ट पर सोमवार सुबह बर्ड हिट का मामला सामने आया है। दिल्ली से 164 यात्रियों को लेकर पटना आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट से पक्षी टकरा गया।अधिकारियों ने बताया कि फ्लाइट एआई 1741 सुबह 7:43 बजे सुरक्षित रूप से उतरी। एहतियात के तौर पर एयरपोर्ट अधिकारियों ने इमरजेंसी लैंडिंग प्रोटोकॉल लागू कर दिया था और फायर व अन्य संबंधित सेवाओं को तैनात कर दिया था। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार, एआई 1741 के पायलट ने रनवे के पास पहुंचते समय विमान के दाहिने टरबाइन के पास पक्षी के टकराने की आशंका जताई थी। लैंडिंग के बाद की जांच में पक्षी के टकराने की पुष्टि हुई।

मुंबई में ऑटो-रिक्शा ड्राइवरों की हड़ताल

मुंबई। मुंबई में ऑटो-रिक्शा ड्राइवरों ने सोमवार को सरकार के मराठी बोलने वाले नियम के विरोध में 3 दिन की हड़ताल बुलाई है। मराठी नहीं बोलने वाले ड्राइवरों का कहना है कि इससे उन पर ज्यादा बोझ पड़ेगा। प्रदर्शनकारी कांदिवली लिंक रोड पर विरोध किया। कई उम्रदराज ड्राइवरों का कहना है कि उन्होंने बिल्कुल पढ़ाई नहीं की है और 55-60 साल की उम्र में नई भाषा सीखना मुश्किल है। बुधवार को ट्रांसपोर्ट मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि ड्राइवरों को पहले नोटिस देकर 3 महीने में मराठी सीखने का मौका दिया जाएगा। इसके बाद भी मराठी नहीं सीखने पर लाइसेंस और बैज सस्पेंड किया जाएगा।

पाकिस्तान से 150 दुल्हनें पहुंचीं भारत

ऑपरेशन सिंदूर के बाद अटक गई शादियां, नहीं मिला था वीजा

नई दिल्ली। सालों से पाकिस्तान के सिंध प्रांत के परिवारों को वाघा-अटारी सीमा के रास्ते भारत आकर अपनी बेटियों की शादी करने में आसानी होती थी। लेकिन भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर शुरू किए जाने और वीजा व सीमा मार्ग बंद किए जाने के बाद स्थिति बदल गई। इस फैसले के कारण कम से कम 150 पाकिस्तानी महिलाओं की शादियां अटक गई थीं। इन महिलाओं की भारत में पुरुषों से सगाई हो चुकी थी और वे अपने ससुराल आने का इंतजार कर रही थीं। नागपुर के एक सामुदायिक नेता राजेश झांबिया ने कहा कि आखिरकार लंबा इंतजार खत्म हो गया। काफी प्रयासों के बाद केंद्र सरकार ने सिंधी महिलाओं

और उनके रिश्तेदारों को शादी के लिए भारत आने के वीजा जारी किए। पाकिस्तान से आए सिंधी प्रवासियों के लिए काम करने वाले झांबिया ने पीटीआई को बताया कि दुल्हनें और उनके परिवार के लोग मस्कट, दुबई, श्रीलंका और अन्य देशों के रास्ते ट्रांजिट होकर भारत पहुंचे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदल गए हालात उन्होंने बताया कि सिंधी समुदाय के लोग ऐसी शादियों के लिए पहले पंजाब में वाघा-अटारी सीमा के रास्ते भारत आते थे। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद सब कुछ बदल गया। सरकार ने अटारी मार्ग से भारत आने की योजना बना रहे लोगों के वीजा खारिज कर दिए। ऑपरेशन सिंदूर भारत द्वारा 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के जवाब में चलाया गया सैन्य अभियान था। इस हमले में 26 नागरिकों की मौत हुई थी। झांबिया ने बताया कि इसके बाद उन्होंने रायपुर में संत युधिष्ठिरलाल शदाणी से संपर्क किया।

कचरे का पहाड़ धंसा, 30 की मौत

कोनाक्री। गिनी की राजधानी कोनाक्री में शहर के सबसे बड़े लैंडफिल में कचरे का पहाड़ धंस गया। हादसे में 30 लोगों की मौत हुई है। लैंडफिल ऐसी जगह होती है, जहां शहर का कचरा इकट्ठा यानी डंप किया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि रविवार देर रात करीब 2 बजे शुरू हुई भारी बारिश के बाद कचरे के ऊपर से पानी बहा। इससे लैंडस्लाइड हुई और पास की झोपड़ियां मलबे में दब गईं। हादसे में छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं और कई घर तबाह हो गए। मलबे में दबे लोगों को खोजने के लिए सर्च और रेस्क्यू अभियान जारी है। यह हादसा दार एस सलाम के खुले कचरे के डंप में हुआ।

टीएमसी में वापस लौटे विधायक पीरजादा कासिम सिद्दीकी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल चुनाव के बाद तृणमूल कांग्रेस दो धड़ों में बंट गई। पार्टी के कई बागी नेताओं ने अलग गुट बना लिया। इस बीच अमडांगा से टीएमसी विधायक पीरजादा कासिम सिद्दीकी ने अपनी घर वापसी का ऐलान कर दिया है। बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी की अगुआई वाले गुट में शामिल होने के दो ही महीने बाद सिद्दीकी के सुर पूरी तरह बदल गए हैं। बागी खेमे से दूरी बनाते हुए सिद्दीकी ने आरोप लगाया कि उन्हें धोखे में रखकर दस्तखत करवाए गए थे। सिद्दीकी का दावा है कि उन्हें बताया गया था कि बागी कैंप भी ममता बनर्जी के नेतृत्व में काम करेगा, लेकिन आखिरकार उन्हें पता चला कि ममता बनर्जी का कोई जिक्र ही नहीं था। इसी वजह से उन्होंने अपने फैसले पर दोबारा सोचा और घर वापसी का फैसला लिया। दीदी के पास रहेंगे तो एक साथ रहेंगे कासिम सिद्दीकी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमको कहा गया था कि आप साइन कीजिये, ये साइन दीदी के पास जाएगा। हमने बोला था कि हम लोग एक साथ रहेंगे। जब दीदी के पास रहेंगे तो एक साथ रहेंगे। जब उनके पास जाते हैं तो दीदी का कोई गलत विचार नहीं होता है, वही सब कुछ हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज स्ट्रेट को लेकर -ईरानी संसद की मंजूरी...

ईरान होर्मुज में जहाजों से वसूलेगा टोल, बदले में सुरक्षा-बीमा की पेशकश

- ईरानी संसद ने होर्मुज से गुजरने वाले उन जहाजों से टोल वसूलने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज स्ट्रेट को लेकर टकराव एक नए चरण में पहुंचता दिखाई दे रहा है। ईरानी संसद ने होर्मुज से गुजरने वाले उन जहाजों से टोल वसूलने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है, जिन्हें ईरान की ओर से मार्ग से गुजरने की अनुमति मिलेगी। ईरानी मीडिया के अनुसार, जहाजों से लिए जाने वाले शुल्क के बदले समुद्री सेवाएं, सुरक्षा और इंश्योरेंस जैसी

सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही गई है। भुगतान ईरानी रियाल या ईरान द्वारा स्वीकार की जाने वाली किसी अन्य करेंसी में किया जा सकेगा। जरूरत पड़ने पर पर्यावरण संबंधी सेवाएं और विशेष परिस्थितियों में ईंधन उपलब्ध कराने का भी प्रावधान बताया गया है। ईरान का यह फैसला ऐसे समय आया है, जब अमेरिका उस पर आर्थिक दबाव लगातार बढ़ा रहा है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने ईरान के खिलाफ आर्थिक अभियान को निर्णायक चरण में पहुंचने की बात कही है। उनका कहना है कि अमेरिका ईरान की आय के प्रमुख स्रोतों को सीमित करने के लिए अपनी उपलब्ध शक्तियों का इस्तेमाल करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी ईरान के खिलाफ व्यापक आर्थिक कार्रवाई की बात कह चुके हैं और दूसरे देशों से ईरान को अलग-थलग करने में सहयोग की अपील कर चुके हैं। खाड़ी देशों को ईरान की चेतावनी ईरान ने अमेरिकी आर्थिक कार्रवाई में सहयोग करने वाले खाड़ी देशों को भी चेतावनी दी है। ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुख मोहसिन रेजाई ने कहा है कि ईरान पर आर्थिक प्रतिबंधों में अमेरिका का साथ देने वाले देशों को दुश्मन के तौर पर देखा जाएगा।

ट्रम्प के दावे से बढ़ा विवाद

होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हुई है। ट्रम्प इसे न्यू यूएस टेरिटरी यानी नया अमेरिकी क्षेत्र बता चुके हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी ऐसी तस्वीर साझा की, जिसमें होर्मुज को अमेरिकी क्षेत्र के रूप में दिखाया गया। ईरान की ओर से होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाने का फैसला इसी बढ़ते टकराव के बीच सामने आया है।

होर्मुज में दो समुद्री रास्तों की चर्चा

अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने के बाद होर्मुज में जहाजों के आवागमन को लेकर दो रास्तों की चर्चा हो रही है। उत्तरी ईरानी मार्ग ईरान के तट, लारक और किश्म द्वीपों के करीब से गुजरता है और ईरानी बंदरगाहों तथा तेल टर्मिनलों से जुड़ा है। वहीं दक्षिणी ओमानी मार्ग ओमान के करीब और ईरानी तट से अपेक्षाकृत दूर है। अमेरिकी सुरक्षा में चलने वाले कई वाणिज्यिक जहाज इसी मार्ग को प्राथमिकता दे रहे हैं। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा-मार्गों में से एक है। ऐसे में ईरान का टोल प्रस्ताव केवल शुल्क वसूली का मामला नहीं, बल्कि अमेरिका के साथ बढ़ते आर्थिक और रणनीतिक टकराव में एक नया दबाव बनाने वाला कदम भी माना जा रहा है।

संपादकीय

हेल्थकेयर की चुनौतियां

यह विडंबना ही है कि देश में कभी भी सत्ताधीशों की प्राथमिकता सरकारी चिकित्सा-तंत्र को सक्षम बनाने की नहीं रही है। किसी भी चुनाव में स्वास्थ्य सुविधाओं को समृद्ध बनाना राजनीतिक दलों के एजेंडे में शामिल नहीं रहा। जनता भी हर आम परिवार से जुड़े सेहत के मुद्दे को जोर-शोर से उठाने में चूकती रही है। यही वजह है कि आज भी कुल मिलाकर देश के करोड़ों लोगों के लिये सस्ती व पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंच से बाहर हैं। अपने परिजनों के गंभीर रोगों के उपचार के लिये क्षमता से अधिक पैसा जुटाने के फेर में हजारों परिवार हर साल गरीबी की दलदल में धंस जाते हैं। यह गंभीर स्थिति सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में हेल्थकेयर पर बनी संसदीय समिति की हालिया रिपोर्ट साफ तौर पर दर्शाती है। नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस के 2025 के सर्वे का हवाला देते हुए संसदीय समिति ने पाया है कि सरकारी सुविधाओं में अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीज का औसत खर्च 6,631 रुपये है, जबकि प्राइवेट में यह खर्च 50,508 रुपये है। निजी अस्पताल में होने वाला यह औसत खर्च सरकारी अस्पताल में होने वाले खर्च के मुकाबले सात गुना से भी अधिक है। जो चिकित्सा सुविधाओं में व्याप्त व्यापक विसंगतियों को ही दर्शाता है। यह आंकड़ा इसलिए भी अहम है कि निजी अस्पताल अब साठ फीसदी से ज्यादा मरीजों को अस्पताल में भर्ती करते हैं और 70 फीसदी आउट पेशेंट की देखभाल करते हैं। विडंबना यह है कि सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं का अभाव लगातार बना रहता है। वहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी मरीज महसूस करते हैं। सरकारी अस्पताल की सुविधाओं में बेड, उपकरण, दवाइयां और कुशल स्टाफ की कमी देखी जाती है। मरीज को भरोसा नहीं होता है कि उसे जरूरी इलाज सरकारी अस्पताल में मिल भी पायेगा। एक संकट यह भी है कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों का दबाव बहुत ज्यादा होता है। उसके मुकाबले चिकित्सक उपलब्ध नहीं होते हैं। वहीं दूसरी ओर निजी अस्पतालों में चिकित्सकों की अच्छी आय और निजी प्रैक्टिस का सम्मोहन भी योग्य डाक्टरों को सरकारी अस्पतालों से विमुख बनाता है। यही वजह है कि पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं के अभाव में मरीजों को निजी अस्पतालों में इलाज कराने के लिये बाध्य होना पड़ता है। दरअसल, उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचता, अब चाहे उनकी पैसा देने की क्षमता हो या न हो। लोगों की चिकित्सा इमरजेंसी की चिंता की वजह से स्वास्थ्य बीमा का बड़ा कारोबार देश में फल-फूल रहा है। जिसमें मरीजों को कम व बीमा कंपनियों और निजी अस्पतालों को ज्यादा मुनाफा हो रहा है। यही वजह है कि आज हेल्थकेयर सिस्टम में इलाज की सुविधा परिवार की आमदनी पर बहुत ज्यादा निर्भर हो जाती है। इसके चलते ही संसदीय पैनल की यह बात खास तौर पर चिंताजनक है कि अस्पताल में भर्ती होने का औसत बिल 37,858 है, जिसमें से मरीज अपनी जेब से लगभग 34,064 रुपये खर्च करते हैं। हालांकि, कुल बिल में अपनी जेब से होने वाला खर्च 2014 के 62.6 फीसदी से घटकर 2022-23 में 43.4 फीसदी हो गया है। इसके बावजूद 10-13 फीसदी की मेडिकल महंगाई का असर परिवारों के बजट पर अब भी पड़ रहा है। लेकिन सरकारी सुविधाओं में आ रही गिरावट को टाला न जा सकने वाला मान लेना भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। शासन-प्रशासन की प्राथमिकता सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की होनी चाहिए। निस्संदेह, संसदीय समिति की सिफारिशें सही दिशा की ओर संकेत देती हैं।

स्त्री विमर्श : 'मनुस्मृति' पर अज्ञानता या राहुल का झूठ फैलाने का प्रयास

मनुस्मृति में स्त्री के सम्मान, मातृत्व, स्त्रीधन, पारिवारिक उत्तरदायित्व और वैवाहिक निष्ठा को लेकर अनेक स्पष्ट विधान मिलते हैं, इसलिए 'न स्त्री स्वातन्त्र्यमर्हति' को पूरे ग्रंथ का प्रतिनिधि वाक्य मान लेना एकांगी निष्कर्ष होगा।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

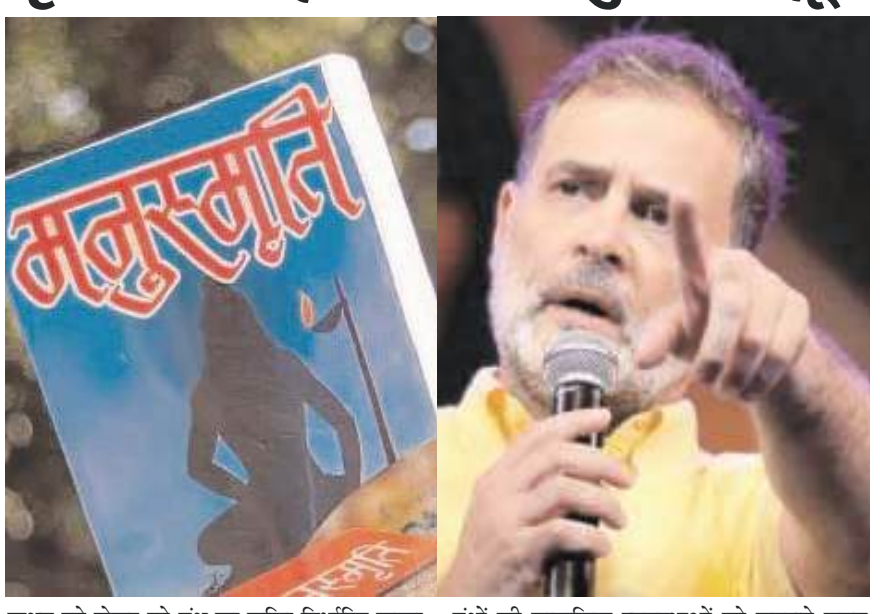

मनुस्मृति में माता के गौरव को अत्यंत ऊँचा स्थान दिया गया है। दूसरे अध्याय के 145वें श्लोक में माता को पिता से भी अधिक सम्मान का अधिकारी बताया गया है, 'सहस्रं तु पितृन्माता गौरवेणातिरिच्यते।' अर्थात गौरव की दृष्टि से माता का स्थान एक हजार पिताओं से भी ऊपर बताया गया है। राहुल गांधी ने पुणे के एक कार्यक्रम में मनुस्मृति के एक चर्चित श्लोक, 'न स्त्री स्वातन्त्र्यमर्हति' का उल्लेख करते हुए उसके आधार पर मनुस्मृति की स्त्री-विषयक दृष्टि पर सवाल उठाया। अब असल प्रश्न यह है कि क्या किसी भी प्राचीन ग्रंथ का मूल्यांकन उसके एक अंश को संदर्भ से अलग करके किया जा सकता है? उपलब्ध सामग्री के अध्ययन के आधार पर यही निष्कर्ष निकलता है कि राहुल गांधी की स्त्री विषयक टिप्पणियों में गंभीर वैचारिक दोष है, ऐसे में लगता यही है कि या तो अज्ञानी है या फिर जानबूझकर झूठ बोल कर भारत की नारी शक्ति को भ्रम में डालकर कल्चरल मार्क्सवाद की ओर ढकेल देना चाहते हैं, जिसमें वे मुक्ति के नाम पर अपना शोषण करवाने की टूल किट बन सकें। वास्तव में मनुस्मृति को समझने के लिए उसके पूरे सामाजिक और विधिक संदर्भ को देखना आवश्यक है।

मनुस्मृति के तीसरे अध्याय का प्रसिद्ध श्लोक है, 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।' अर्थात जहाँ नारियों का सम्मान होता है, वहाँ देवताओं का निवास माना गया है और जहाँ उनका सम्मान नहीं होता, वहाँ किए गए कर्म निष्फल हो जाते हैं। यह श्लोक स्त्री को परिवार और सामाजिक जीवन की गरिमा के केंद्र में रखता है। यहाँ एक महत्वपूर्ण बात समझने की आवश्यकता है। स्त्री के सम्मान और उसकी सुरक्षा को सामाजिक दायित्व मानना अपने आप में स्त्री-विरोधी दृष्टिकोण नहीं कहा जा सकता।

यदि राहुल गांधी मनुस्मृति की स्त्री-दृष्टि पर प्रश्न उठाते हैं तो इस श्लोक सहित उन सभी प्रावधानों पर भी समान रूप से चर्चा होनी चाहिए जो स्त्री को परिवार की प्रतिष्ठा और नैतिक केंद्र मानते हैं। किसी एक कथन को लेकर पूरे ग्रंथ का चरित्र निर्धारित करना उसी प्रकार अधूरा होगा, जैसे किसी आधुनिक संविधान की एक धारा के आधार पर उसके पूरे दर्शन को परिभाषित कर देना।

मनुस्मृति में 'स्त्रीधन' की अवधारणा भी उल्लेखनीय है। उपलब्ध सामग्री में अध्याय 9 के श्लोक 194 का संदर्भ देते हुए बताया गया है कि विवाह और पारिवारिक अवसरों पर स्त्री को प्राप्त धन और आभूषण उसके अधिकार से जुड़े माने गए हैं तथा पुरुष द्वारा उस संपत्ति के अनुचित उपयोग को स्वीकार नहीं किया गया। यह तथ्य इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि स्त्री की स्थिति पर चर्चा प्रायः 'स्वतंत्रता' शब्द की आधुनिक परिभाषा से नहीं की जा सकती। आर्थिक अधिकार, संपत्ति पर नियंत्रण, पारिवारिक सम्मान, सुरक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा, वस्तुतः ये सभी स्त्री की स्थिति के अलग-अलग आयाम हैं। मनुस्मृति की समग्र चर्चा में इन सभी को साथ रखना होगा।

इसी प्रकार विवाह को लेकर मनुस्मृति में पति-पत्नी दोनों के पारस्परिक संतोष और निष्ठा पर बल दिया गया है। 'सन्तुष्टो भार्यया भर्ता भर्त्रा भार्या तथैव च' का भाव यह है कि जिस परिवार में पति पत्नी से और पत्नी पति से संतुष्ट रहती है, वहाँ कल्याण की संभावना रहती है। आज जब परिवार, विवाह और सामाजिक उत्तरदायित्व पर व्यापक बहस हो रही है, तब इस दृष्टि को भी विमर्श का हिस्सा बनाया जा सकता है।

दहेज के प्रश्न पर भी उपलब्ध सामग्री मनुस्मृति के अध्याय 3 के श्लोक 51 का उल्लेख करती है, जहाँ कन्या के विवाह के बदले शुल्क लेने की निंदा की गई है और लोभवश ऐसा करने वाले पिता की आलोचना की गई है। यह तथ्य आज के संदर्भ में इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे स्पष्ट होता है कि प्राचीन ग्रंथों की सामाजिक व्यवस्थाओं को समझते समय उनके भीतर मौजूद सुधारात्मक और नैतिक निर्देशों को भी देखा जाना चाहिए। सबसे अधिक गंभीर प्रश्न मनुस्मृति में कथित 'प्रक्षेपों' को लेकर है। उपलब्ध सामग्री में यह दावा किया गया है कि वर्तमान में उपलब्ध पाठ में बाद के काल में कुछ अंश जोड़े गए और महर्षि दयानंद सरस्वती जैसे विद्वानों ने कुछ श्लोकों को मूल मनु की शिक्षाओं से असंगत माना। कई भाषा विज्ञ भी यह बता चुके हैं। यही बात राहुल गांधी की टिप्पणी पर भी लागू होती है। यदि वे मनुस्मृति के किसी श्लोक को आधार बनाकर उसकी आलोचना कर रहे हैं, तो उन्हें भी पूरे पाठ, उसके ऐतिहासिक संदर्भ, विभिन्न पाठ-परंपराओं और उसके भीतर मौजूद परस्पर भिन्न कथनों को सामने रखना चाहिए। आलोचना का अधिकार सबको है, लेकिन आलोचना का आधार भी उतना ही गंभीर होना चाहिए, जितना कि गंभीर आरोप उस पर सार्वजनिक रूप से लगाया जा रहा है।

तार्किक रूप से सोचें, जो ग्रंथ एक तरफ नारी को साक्षात लक्ष्मी, पूजनीय और देवताओं के निवास का आधार बताता है, वही ग्रंथ कुछ श्लोकों बाद अचानक स्त्री को प्रताड़ना या अधिकार-हीन कैसे कह सकता है? यह अंतर्विरोध (Contradiction) इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि बाद के समय में स्वार्थी तत्वों और विदेशी षड्यंत्रकारियों द्वारा इसमें मिलावट की गई थी। अब केंद्र एवं राज्य सरकारों के स्तर पर भी विचार कर लें, क्या हम अपनी स्त्रियों, युवतियों, माताओं को संरक्षण नहीं दे रहे, यदि दे रहे हैं तो क्या यह राहुल गांधी की भाषा में कहें, उन्हें गुलाम बनाना है? फिर क्यों महिला आयोग बनाए हैं? पॉक्सो एक्ट लागू किया है? एक बेटी के जन्म से लेकर उसकी मृत्यु तक अनेक योजनाएं, नियम, कानून हैं, जिनके माध्यम से आज भी हम अपने समाज की स्त्री को सम्मान दे रहे हैं, उसके हित एवं रक्षा के लिए यथासंभव प्रयास कर रहे हैं, तब तो हम सब भी राहुल की भाषा में नारी का शोषण कर रहे हैं? ऐसे में कहना यही होगा कि असली समस्या मनुस्मृति से अधिक उस राजनीतिक शैली की है जिसमें जटिल परंपरागत ग्रंथों को कुछ चुने हुए उद्धरणों में समेटकर बिना पूर्ण अध्ययन किए ही राजनीतिक निष्कर्ष निकाल दिए जाते हैं। राहुल गांधी को यदि मनुस्मृति की आलोचना करनी है तो वे उसके प्रत्येक प्रासंगिक पक्ष पर बहस करें। संस्कृत मूल सामने रखें, संदर्भ समझाएँ, विभिन्न विद्वानों की व्याख्याओं को रखें और फिर निष्कर्ष दें। यही स्वस्थ बौद्धिक परंपरा होगी। अन्यथा एक श्लोक को पूरे ग्रंथ का पर्याय बना देना न तो इतिहास है, न शास्त्रार्थ और न गंभीर राजनीति।

राहुल गांधी ने कहा, 'महिलाएं प्रोफ़ेशनल, खिलाड़ी, लीडर, क्रिएटर, आंतरप्रेन्योर और भी बहुत कुछ हैं. फिर भी पुरुष उन्हें ये तीन पहचान ही देते हैं. इन तीनों पहचानों का पुरुषों के साथ रिश्ता है. चाहे मां हो, पत्नी हो, या बेटी हो. '

'मैं यहां मनुस्मृति को कोट करना चाहता हूं, जिसमें कहा गया है कि बचपन में महिला को अपने पिता के अधीन होना चाहिए. युवावस्था में अपने पति के अधीन होना चाहिए और जब पति नहीं रहे तब, अपने बेटों के अधीन रहना चाहिए. एक महिला कभी भी आज़ाद नहीं हो सकती है. ' उन्होंने दावा किया, 'ये बात सीधे मनुस्मृति में लिखी गई है. इन शब्दों पर शर्म आनी चाहिए. ये शब्द कभी भी नहीं कहे जाने चाहिए थे.

'दरअसल, मनुस्मृति के पांचवें अध्याय के 148वें श्लोक में महिलाओं के संरक्षण और स्वतंत्रता को लेकर एक श्लोक मिलता है. इसमें लिखा है, 'एक लड़की हमेशा अपने पिता के संरक्षण में रहनी चाहिए, शादी के बाद पति उसका संरक्षक होना चाहिए, पति की मौत के बाद उसे अपने बच्चों की दया पर निर्भर रहना चाहिए, किसी भी स्थिति में एक महिला आज़ाद नहीं हो सकती.'पंजाब यूनिवर्सिटी में इतिहास पढ़ा चुके प्रोफ़ेसर राजीव लोचन ने बताया था कि मनुस्मृति में लिखा है कि एक महिला का कल्याण तभी होगा, जब एक पुरुष का कल्याण होगा. 'ये किताब बताती है कि किसी भी स्थिति में ब्राह्मणों का सम्मान किया जाना चाहिए. किसी भी महिला का कल्याण तभी हो सकता है, जब एक पुरुष का कल्याण हो जाए. एक महिला को किसी तरह के धार्मिक अधिकार नहीं हैं. वह अपने पति की सेवा करके स्वर्ग प्राप्त कर सकती है. मनुस्मृति में यही सब लिखा है.

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

आज का इतिहास

1600 - इस्ट इंडिया कंपनी का पहला जहाज, हेक्टर, सूरत के तट पर पहुंचा था.
1690 - कलकत्ता शहर में स्थापना दिवस मनाया गया था.
1812 - प्रायद्वीपीय युद्धः स्पेनिश, ब्रिटिश और पुर्तगाली सेनाओं का गठबंधन काडिज़ की ढाई साल के घेराबंदी को तोड़ने में सफल रहा था.
1815 - नीदरलैंड के आधुनिक संविधान पर हस्ताक्षर किए गए थे.
1816 - सेंट लुइस की संधि पर मिसौरी में हस्ताक्षर किये गए थे.
1820 - ओपोर्तो, पुर्तगाल में संवैधानिक विद्रोह शुरु हुआ था.
1870 - वोलसेली अभियान लाल नदी विद्रोह को समाप्त करने के लिए मनीतोबा पहुंचा था.
1911 - मैनुअल डी अररियागा ने पुर्तगाल के पहले राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी.
1914 - प्रथम विश्व युद्धः सीर की लड़ाई युद्ध में पहली सहयोगी जीत के रूप में समाप्त हुई थी.
1931 - फ्रांस और सोवियत संघ के बीच एक तटस्थता समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे.
1931 - यूनाइटेड किंगडम की दूसरी श्रम सरकार के इस्तीफा देने के बाद यूके में राष्ट्रीय सरकार का गठन हुआ था.
1932 - अमेलिया ईयरहार्ट संयुक्त राज्य अमेरिका में गैर-स्टॉप उड़ान भरने वाली पहली महिला बन गई थी.
1936 - ऑस्ट्रेलियाई अंटार्कटिक क्षेत्र की स्थापना हुई थी.
1937 - स्पेनिश गृहयुद्धः बास्क सेना ने संतोना समझौते के बाद इतालवी कॉर्पो ट्रूप वोल्टोरी को आत्मसमर्पण कर दिया था.
1944 - द्वितीय विश्व युद्धः मित्र राष्ट्रों ने पेरिस पर हमला शुरू किया था.
1949 - उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन बनाने वाली संधि प्रभावी हुई थी.
1950 - संयुक्त राष्ट्र के लिए एडिथ सैम्पसन पहला काला अमेरिकी प्रतिनिधि बन गया था.
1954 - अमेरिकी कम्युनिस्ट पार्टी को अवैध बनाने के लिए कम्युनिस्ट कंट्रोल एक्ट पारित किया गया था.
1969 - वीवी गिरी भारत के चौथे राष्ट्रपति बने थे.
1974 - फखरूदीन अली अहमद भारत के पांचवें राष्ट्रपति बने थे.
1981 - जॉन लेनन की हत्या के लिए मार्क डेविड चैपलैन को जेल में 20 साल की सजा सुनाई गई थी.
1989 - सिनसिनाटी रेड्स मैनेजर पीट रोज को बेसबॉल से प्रतिबंधित कर दिया गया था.
1991 - मिखाइल गोर्बाचेव ने सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख के रूप में इस्तीफा दे दिया था.

जिनपिंग की भारत यात्रा- बॉर्डर पर तैनाती और निगरानी बढ़ाने का समय आ गया

भारत-चीन संबंधों के बीच सबसे बड़ी विडंबना शीर्ष नेताओं के दौरे के दौरान या दौरे के आसपास ही शुरू होती है। आमतौर पर जब भी किसी दो देशों के बीच शीर्ष स्तर पर यात्रा की कोई योजना बनती है तो दोनों ही देश, इस बात को सुनिश्चित करते हैं कि यात्रा से पहले और यात्रा के दौरान तो कम से कम कहीं कोई तनाव न पैदा हो।वर्ष 2003 में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की चीन यात्रा के दौरान ही चीनी सेना की एक टुकड़ी ने अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिले के असफीला इलाके में ष्ट पार करके भारतीय सीमा में न केवल घुसपैठ किया था बल्कि भारतीय सैनिकों की एक छोटी सी टुकड़ी से उनके हथियार तक छीन लिए थे।

संतोष कुमार पाठक

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत आने की तैयारी कर रहे हैं। भारत यात्रा के दौरान चीन के राष्ट्रपति 18वें ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होंगे। जिनपिंग इससे पहले वर्ष 2019 में शिखर वार्ता के लिए भारत आएं थे। चीनी राष्ट्रपति के भारत यात्रा के दौरान जाहिर तौर पर दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर भी बातचीत होगी। हाल के दिनों में भारत चीन सीमा पर खासकर अरुणाचल प्रदेश को लेकर जो खबरें आ रही है, उसने पूरे देश को चिंतित कर दिया है। बदले माहौल में अब भारत की कोई भी सरकार सिर्फ शांति और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के नाम पर पड़ोसी देश की इस तरह की नापाक हरकतों को ठंडे बस्ते में नहीं डाल सकती है। ऐसे में नई दिल्ली में स्वागत की तैयारियों से भी ज्यादा जरूरी हो जाता है भारत-चीन सीमा पर सैनिकों को पूरे साजो-सामान के साथ 24 घंटे रेडी मोड में रखना। चीन का इतिहास भी यही बताता है कि भारत को अब और ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। भारत-चीन संबंधों के बीच सबसे बड़ी विडंबना शीर्ष नेताओं के दौरे के दौरान या दौरे के आसपास ही शुरू होती है। आमतौर पर जब भी किसी दो देशों के बीच शीर्ष स्तर पर यात्रा की कोई योजना बनती है तो दोनों ही देश, इस बात को सुनिश्चित करते हैं कि यात्रा से पहले और यात्रा के दौरान तो कम से कम कहीं कोई तनाव न पैदा हो। लेकिन चीन इसके बिल्कुल उल्टा करता है। चीन का इतिहास यह बताता है कि भारत की तरफ से संबंध सुधारने के लिए जब भी शीर्ष स्तर पर कोई नेता चीन जाता है या फिर भारत के निमंत्रण पर जब भी चीन से कोई शीर्ष नेता भारत आता है तो अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति और राजनयिक शिष्टाचार को पूरी तरह से धत्ता बताते हुए चीन की सेना सीमा पर खुराफात शुरू कर देती है। एक तरफ शीर्ष स्तर पर बातचीत, शांति और व्यापारिक संबंधों के ढोल बज रहे होते हैं तो वहीं दूसरी तरफ चीन की सेना भारत के क्षेत्र में जबरदस्ती घुसपैठ करने और भारतीय सेना से लड़ती-भिड़ती नज़र आती है। आपको बता दें कि, चीन की सेना पाकिस्तानी सेना की तरह बेलगाम नहीं है यानी चीन की सेना जो कुछ भी करती है वह राष्ट्रपति की मंजूरी से ही करती है। वैसे तो शीर्ष स्तर पर यात्राओं के दौरान चीन की इस तरह की हरकतों का लंबा इतिहास रहा है। लेकिन आपके सामने कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं को उदाहरण के तौर पर रख देते हैं। चीनी सेना ने इससे भी बड़ी नापाक हरकत वर्ष 2013 में अपने ही प्रधानमंत्री ली केकियांग के भारत दौरे से पहले की थी। मनमोहन सिंह सरकार के दौरान वर्ष 2013 में चीनी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा से पहले क्क यानी चीनी सेना पूर्वी लद्दाख (भारतीय क्षेत्र) में 19 किलोमीटर तक न केवल अंदर घुस आई थी बल्कि वहां तंबू लगाकर कब्जा भी कर लिया था। दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने आ गई थी और लगभग 20 दिनों तक यह गतिरोध बना रहा था। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद वर्ष 2014 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत यात्रा पर आएं। जिनपिंग के भारत पहुंचने से महज कुछ घंटे पहले ही चीन की सेना ने लद्दाख में घुसपैठ कर, अवैध तरीके से सड़क बनाना शुरू कर दिया। यहां भी दोनों देशों की सेनाएं लगभग दो सप्ताह तक आमने-सामने खड़ी रहीं। इस तरह के अनगिनत उदाहरण भरे पड़े हैं जब भारत और चीन के शीर्ष नेता बातचीत कर रहे थे या बातचीत करने की तैयारी कर रहे थे, ठीक उसी समय चीन की सेना नापाक हरकतें कर रही थी।

जिनपिंग के भारत दौरे की तैयारियों में ष्ट पर शांति और सीमा विवाद सबसे अहम मुद्दों में है। दोनों देश सीमा पर ऐसी व्यवस्था बनाने पर बात कर रहे हैं, जिससे किसी सैन्य घटना या तनाव का असर द्विपक्षीय रिश्तों पर न पड़े। जिनपिंग की संभावित यात्रा से पहले ह्र अजीत डोभाल सीमा मुद्दे पर 25वें दौर की विशेष प्रतिनिधि वार्ता के लिए बीजिंग जा सकते हैं। वहां उनकी चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात हो सकती है। बातचीत में सीमा प्रबंधन, तनाव कम करने और स्थायी शांति के उपायों पर फोकस रहेगा।

व्यापार और जरूरी सामान की सप्लाई भी एजेंडे में

भारत और चीन के बीच सिर्फ सीमा विवाद ही नहीं, बल्कि व्यापार और आर्थिक रिश्ते भी बातचीत का हिस्सा हैं। भारत चीन के साथ अपने बड़े व्यापार घाटे को कम करना चाहता है। इसके अलावा रेयर अर्थ मैगनेट और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट जैसे जरूरी सामान की सप्लाई को लेकर भी भारत अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहा है। दोनों देशों के बीच सीमा व्यापार और वीजा प्रक्रिया को आसान बनाने पर भी चर्चा चल रही है। 1 अगस्त से उत्तराखंड के लिपुलेख और सिक्किम के शिपकी ला दर्रों से सीमा व्यापार शुरू हो चुका है। कैलाश मानसरोवर यात्रा भी बहाल है।

भारत का फोकस ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत करने, आर्थिक सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल तकनीक, आतंकवाद से निपटने और सप्लाई चेन मजबूत करने पर है। यानी क्क्रह्रष्ट को सिर्फ राजनीतिक मंच नहीं, बल्कि व्यापार, निवेश और विकास के बड़े मंच के तौर पर आगे बढ़ाने की कोशिश है। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही खड़ा हो रहा है कि क्या चीन सितंबर के महीने में बॉर्डर पर फिर से कोई बड़ी खुराफात करने की योजना तो नहीं बना रहा है ? यह सवाल इसलिए खड़ा हो रहा है क्योंकि भारत में 12-13 सितंबर को 18वां ब्रिक्स सम्मेलन होने जा रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इसमें शामिल होने के लिए भारत आएंगे। चीन के राष्ट्रपति के भी इस सम्मेलन में आने की तैयारियां चल रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत के विदेश मंत्रालय के सूत्र यह बता रहे हैं कि जिनपिंग के दौरे की अभी आधिकारिक तौर पर औपचारिक सूचना भले ही न मिली हो लेकिन एडवांस टीमों के दौरे और बाकी तैयारियों से यह लग रहा है कि वह भारत आ सकते हैं। अगर ऐसा है तो भारत और चीन की सीमा पर चौकसी को और ज्यादा बढ़ाने का समय आ गया है। बॉर्डर से लगती भारत की हर चौकी पर सेना को पूरी ताकत और साजो-सामान के साथ तैनात करना पड़ेगा। वहां पर संचार के साधन और बिजली की उपलब्धता को हर हाल में सुनिश्चित करने वाली व्यवस्था करनी होगी। रिजर्व फौज को भी तैयार रखना होगा ताकि आपात स्थिति में तुरंत मदद पहुंचाई जा सके। दोनों देशों के बीच सीमा पर हथियार नहीं चलाने का समझौता हो रखा है तो ऐसे में जाहिर तौर पर लड़ने के लिए अलग तरह की तैयारियां तो करनी ही पड़ेगी।

इस तरह के हालात में सैन्य साजो-सामान, हथियार, बेहतर संचार के साधन, 24 घंटे बिजली की उपलब्धता, बेहतर सड़क और खाने-पीने के सामानों की भरपूर उपलब्धता के साथ ही बड़ी-बड़ी नुकीले कील लगे डंडे की भी जरूरत पड़ती है। सबसे जरूरी बात यह है कि नई दिल्ली की तरफ से इनके पास स्पष्ट ऑर्डर होना चाहिए कि चीनी सेना की नापाक हरकतों का जवाब कैसे और किस हद तक जाकर देना है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं

आज का राशिफल

मेष- आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेंगे। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष - संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मनः स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-3-4-7

मिथुन - पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क - मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह- निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या - कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्याकंन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला - ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक - विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु - अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर - ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुम्भ- हरि करे सो खरी। अतः हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन- मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

प्रोफेसर ही निकला पेपर लीक का मास्टरमाइंड

सील को तोड़े बिना एंडोस्कोपी कैमरे से चुराया पेपर, छात्रों को बेचा

रायपुर, एजेंसी। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (आईजीकेवी) की बीएससी कृषि द्वितीय वर्ष, द्वितीय सेमेस्टर के कीट विज्ञान (एंटोमोलॉजी) विषय का प्रश्नपत्र लीक करने के मामले में पुलिस ने एक प्रोफेसर सहित छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मामले में दो आरोपित अभी फरार हैं। सभी को दो दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपित भारती एग्रीकल्चर कालेज, दुर्ग के प्रोफेसर योगेश सोनकेसरिया ने लिफाफे की सील खोले बिना एंडोस्कोपिक कैमरे की मदद से प्रश्नपत्र का वीडियो बनाया फिर उसे नोट करके छात्रों तक पहुंचाया।

पुलिस के अनुसार प्रश्नपत्र 11 हजार रुपये में बेचा गया: पुलिस के अनुसार प्रश्नपत्र 11 हजार रुपये में बेचा गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मामले में मुख्य आरोपित सहित छह लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच जारी है और जो भी लोग संलिप्त पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि प्रोफेसर ने केवल 20 अगस्त को होने वाला एंटोमोलॉजी का प्रश्नपत्र ही लीक नहीं किया था, बल्कि इससे पहले आठ अगस्त को होने वाला पैथोलॉजी का प्रश्नपत्र भी अपने खास छात्रों को उपलब्ध कराया था। हालांकि, उस समय प्रश्नपत्र सार्वजनिक नहीं हुआ था।

प्रश्नपत्र घर ले जाकर बनाया वीडियो

पुलिस के अनुसार योगेश वर्ष 2019 से भारती एग्रीकल्चर कॉलेज में प्रोफेसर है। 17 अगस्त को वह जोरा स्थित कृषि महाविद्यालय से आगामी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लेकर घर गया। पुलिस का दावा है कि उसने लिफाफे की सील से छेड़छाड़ किए बिना उसमें सूक्ष्म छेद कर एंडोस्कोपिक कैमरा अंदर डाला और प्रश्नपत्र की वीडियो रिकॉर्डिंग कर ली। इसके बाद वीडियो देखकर हाथ से प्रश्नपत्र लिखकर छात्रों तक पहुंचाया। एक छात्र अजय ने प्रश्नपत्र की सामग्री कई छात्रों तक पहुंचाई।

परीक्षा से दो घंटे पहले मिली थी सूचना

20 अगस्त को सुबह एजीसीएच-221 की परीक्षा होनी थी। परीक्षा शुरू होने से करीब दो घंटे पहले कवर्धा कृषि महाविद्यालय के ई-मेल पर प्रश्नपत्र लीक होने की सूचना मिली। उसके बाद संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई। छात्रों और छात्र प्रतिनिधियों ने वाट्सएप पर प्रश्नपत्र के कुछ प्रश्न प्रसारित होने की सूचना दी। पुष्टि के बाद वरिष्ठ विज्ञानी एवं स्नातक परीक्षा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. एनआर रंगारे की शिकायत पर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया।

यूपी में निपुण भारत मिशन को धार देंगी शिक्षा चौंपाले, हर ब्लॉक में लगेंगे टीएलएम मेले

लखनऊ, एजेंसी। परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा को मजबूत करने के लिए न्याय पंचायत स्तर पर शिक्षा चौपाल और ब्लॉक संसाधन केंद्र स्तर पर टीएलएम (शिक्षण अधिगम सामग्री) मेले आयोजित किए जाएंगे। राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय ने सभी बीएसए को इसके लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। शिक्षा चौपाल के जरिए अभिभावकों और समुदाय को निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों से जोड़ने, जबकि टीएलएम मेले के माध्यम से शिक्षकों के नवाचार को बढ़ावा देने की तैयारी है। शिक्षा चौपाल में शिक्षकों, छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और जनसमुदाय के बीच संवाद बढ़ाकर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर जोर रहेगा। अभिभावकों को निपुण भारत मिशन के लक्ष्य और बच्चों की शिक्षा के दीर्घकालिक महत्व की जानकारी दी जाएगी। बालिकाओं के संरक्षण से संबंधित मुद्दों, बच्चों के नामांकन और नियमित उपस्थिति में सुधार पर भी चर्चा होगी। विद्यालयों में उपलब्ध कराई गई उत्कृष्ट शिक्षण सामग्री जैसे संदर्शिका, प्रिंट रिच सामग्री, गतिविधि पुस्तिका, पुस्तकालय और स्पोर्ट्स सामग्री की जानकारी भी अभिभावकों को दी जाएगी। वहीं टीएलएम मेले में परिषदीय शिक्षक शिक्षण-अधिगम सामग्री का प्रदर्शन करेंगे। मेले का उद्देश्य शिक्षकों के बीच नवाचार और उत्कृष्ट शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देना है।

सर्वश्रेष्ठ टीएलएम का प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को पुरस्कृत किया जाएगा। निर्देश के मुताबिक शिक्षा चौपाल के आयोजन के लिए प्रति न्याय पंचायत संसाधन केंद्र 10 हजार रुपये और टीएलएम मेले के लिए प्रति विकास खंड 25 हजार रुपये की दर से धनराशि का प्रविधान किया गया है।

मुंबई में बड़ा हादसा, 22 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा गिरने से दो लोगों की मौत, पांच घायल

मुंबई, एजेंसी। दक्षिण मुंबई में गणेश की प्रतिमा गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए। घायलों में दो बच्चे भी शामिल हैं। प्रतिमा पंडाल में स्थापित करने लिए लाई जा रही थी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार रात करीब 10 बजे भूलेश्वर में जय अंबे चौक के पास कबूतरखाना के पास बलराम मर्चेंट रोड पर हुई। म। हालांकि, गंभीर रूप से चोट लगने से दो लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद मुंबई फायर ब्रिगेड, मुंबई पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, 108 एंबुलेंस सेवा और नगर निकाय के वार्ड कर्मचारियों को मौके पर भेजा गया। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान संकेत नेवशे और बृजेश हेमंत जोशी के रूप में की गई है। पांच घायलों की पहचान वैभव घेनंद, पवन चौरसिया, लावण्या गनेर, दिव्या गनेर और कुणाल काशिद के रूप में की गई है। नगर निकाय के अधिकारियों ने बताया कि सभी घायलों की हालत स्थिर है। मुंबई सहित महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में 10 दिनों तक चलने वाला गणेशोत्सव सबसे बड़े और सबसे धूमधाम से मनाए जाने वाले त्योहारों में से एक है। इस त्योहार के दौरान भगवान गणपति की प्रतिमाएं पंडालों और घरों में स्थापित की जाती हैं और उनकी पूजा की जाती है। एक दशक से भी अधिक समय से मुंबई में प्रतिमा लाने के लिए भव्य जुलूस आयोजित किए जाते रहे हैं।

ईसाई धर्म अपनाने का डाला दबाव, छत्तीसगढ़ में मतांतरण के आरोप में तीन महिलाएं गिरफ्तार

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के भनपुरी इलाके में घर में प्रार्थना सभा के जरिए मतांतरण कराने के आरोप में पुलिस ने तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता तरेंद्र कुमार वर्मा ने आरोप लगाया है कि महिलाओं ने उस पर ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव डाला और प्रार्थना से बीमारी व दुख-दर्द दूर होने की बात कही। तीनों महिलाएं उसकी परिचित हैं और उसकी मोबाइल दुकान पर आती-जाती रहती थीं। आरोप है कि उन्होंने हिंदू धर्म को लेकर आपत्तिजनक बातें कहीं। 21 अगस्त को दोपहर तरेंद्र सुषमा कौशिक नामक महिला के घर पहुंचा। यहां करीब 20-25 लोग पहले से प्रार्थना कर रहे थे। आरोप है कि महिलाओं ने उसे भी मतांतरण के लिए कहा, लेकिन उसने इनकार कर दिया। इसी दौरान हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं को इसकी जानकारी मिली। उन्होंने मौके पर पहुंचकर विरोध-प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और 12 लोगों को थाने लेकर आई। शिकायत के आधार पर तीनों महिलाओं के विरुद्ध अपराध दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। सहायक पुलिस आयुक्त पूर्णिमा लामा ने बताया कि हिंदू संगठनों की शिकायत के बाद मामले की जांच की जा रही है।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, डीपीई डिप्लोमा माध्यमिक शिक्षक नियुक्ति और पदोन्नति के लिए मान्य

जबलपुर, एजेंसी। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की युगलपीठ ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली से प्राप्त दो वर्षीय डीपीई (डिप्लोमा इन प्राइमरी एजुकेशन) को माध्यमिक शिक्षक पद पर नियुक्ति और प्राथमिक शिक्षक से माध्यमिक शिक्षक पद पर पदोन्नति के लिए मान्य योग्यता माना है। कोर्ट ने राज्य शासन की तीन रिट अपीलें खारिज करते हुए एकलपीठ के निर्णय को बरकरार रखा। इससे प्रदेशभर के डीपीई धारक अभ्यर्थियों और शिक्षकों के लिए नियुक्ति एवं पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त हुआ है। अभ्यर्थियों की ओर से अधिवक्ता सत्येंद्र ज्योतिषी, अभिषेक मिश्रा, अनुज मिश्रा और अंकित तिवारी ने पैरवी की। विभाग ने उनकी नियुक्ति इस आधार पर निरस्त कर दी थी कि दो वर्षीय डीपीई डिप्लोमा मान्य नहीं है। अभ्यर्थियों की ओर से कोर्ट को बताया गया कि शासन ने 28 फरवरी 2013 के परिपत्र के माध्यम से इग्नू के डीपीई को डीएड, डीएलएड के समकक्ष मान्यता दी थी, जिसे बाद में वापस लेने या समाप्त करने का कोई आधार उपलब्ध नहीं है। कोर्ट ने माना कि इग्नू से प्राप्त दो वर्षीय डीपीई मान्यता प्राप्त व्यावसायिक डिप्लोमा है और निर्धारित योग्यता के लिए इसे समकक्ष माना जाना आवश्यक है। युगलपीठ ने तीनों अपील खारिज कर दी। इस फैसले से डीपीई धारक प्राथमिक शिक्षकों की माध्यमिक शिक्षक पद पर पदोन्नति का रास्ता भी साफ हो गया।

फायर सेफ्टी पर सख्त हुई बंगाल सरकार: कोलकाता के 13 होटल बंद, 50 को नोटिस, दर्जनों रडार पर

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल सरकार ने शुक्रवार को सेंट्रल कोलकाता के 13 होटलों को बंद कर दिया है। साथ ही 16 होटलों को खाली करने का आदेश दिया गया है और शहर भर के 50 होटलों और विभिन्न जिलों के 29 होटलों को अग्नि सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने के आरोप में शो-कॉज नोटिस जारी किए गए हैं। यह कार्रवाई बुधवार को सेंट्रल कोलकाता के शिखा इन होटल में हुई भीषण आग के तीन दिन बाद हुई है, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई थी। इनमें बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल थे। इससे पहले सोमवार को बीरभूम जिले के तारापीठ में एक होटल में आग लगने से नौ लोगों की मौत हो चुकी थी। राज्य अग्निशमन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सेंट्रल कोलकाता के कम से कम 16 होटलों को अग्नि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने के कारण बंद करने को कहा गया है। गुरुवार से कोलकाता के 50 से अधिक होटलों को शो-कॉज नोटिस जारी किए गए हैं। ये होटल मुख्य रूप से मिर्जा गालिब स्ट्रीट, मार्क्विस स्ट्रीट और एसएन बनर्जी रोड पर स्थित हैं। अधिकारियों के अनुसार, कई होटल बिना अग्नि लाइसेंस के चल रहे थे या उनके लाइसेंस चार-पांच साल पहले समाप्त हो चुके थे।

आपातकालीन निकास बंद थे, वेंटिलेशन की कमी थी, फ्लोर प्लान बदले गए थे और अनुमति से ज्यादा बिजली का इस्तेमाल हो रहा था।

राज्य अग्नि मंत्री कौशिक चौधरी ने कहा कि कार्रवाई शुरू हो गई है। कुछ अधिकारियों को भी नोटिस जारी किए गए हैं। शहरी विकास मंत्री अग्निमित्र पॉल ने कहा कि निरीक्षण जारी रहेगा और असुरक्षित होटलों को बंद किया जाएगा। वे 100 होटल बंद करने के बाद भी नहीं रुकेंगे।

यूएस में बड़ी साजिश नाकाम: न्यूयॉर्क कैपिटल को लेकर एफबीआई निदेशक काश पटेल का खुलासा, किस षड्यंत्र पर पानी फिरा

वाशिंगटन, एजेंसी। एफबीआई निदेशक काश पटेल ने शनिवार को कहा कि संघीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने एक आतंकी साजिश नाकाम की है। उन्होंने कहा कि यह न्यूयॉर्क स्टेट कैपिटल को निशाना बनाने की साजिश थी। पटेल के मुताबिक, यह साजिश आईएसआईएस से प्रेरित थी। काश पटेल के मुताबिक, इस साजिश में अल्बानी की 35 साल की एक महिला शामिल थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। पटेल ने संघीय आतंकवाद रोधी अभियानों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में 640 आतंकी हमलों की साजिशें नाकाम की गईं।

काश पटेल ने सोशल मीडिया पोस्ट में क्या लिखा: उन्होंने एक्स पर लिखा, अमेरिकी जमीन पर एक और संभावित आतंकी हमला नाकाम किया गया।

35 साल की अल्बानी की एक महिला पर न्यूयॉर्क स्टेट कैपिटल को निशाना बनाने का आरोप है। उसने आईएसआईएस से प्रेरित हमले की साजिश रची थी। यह उन खतरों में से सिर्फ एक है, जिनका संघीय कानून प्रवर्तन सामना कर रहा है।

ईरान की अमेरिका को दो-टूक: रवैया बदलो तभी खुलेगा होर्मुज, पड़ोसी देशों को दी धमकी

तेहरान, एजेंसी। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एसएनएससी) के सचिव मोहसिन रेजाई ने शनिवार (स्थानीय समय) को दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य अभी भी बंद है। उन्होंने कहा कि अमेरिका जब तक अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करता और अपना रवैया नहीं बदलता, तब तक इसे दोबारा नहीं खोला जाएगा। समाचार एजेंसी आईआरआईबी को दिए इंटरव्यू में रेजाई ने कहा, अमेरिका के दावों के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है। अमेरिका का रवैया ठीक करने तक यह नहीं खुलेगा। उन्होंने आगे कहा, इस बार अमेरिका को पहले अपनी जिम्मेदारियां पूरी करनी होंगी।

अमेरिका की रणनीति पर क्या बोले रेजाई: रेजाई ने आरोप लगाया कि वाशिंगटन ने सैन्य विकल्पों की उम्मीद छोड़ दी है। अब वह ईरान पर आर्थिक दबाव बनाने पर निर्भर है। उन्होंने कहा, सैन्य हमलों से अमेरिकी पूरी तरह निराश हैं। उन्हें लगता है कि आर्थिक नाकेबंदी के जरिये सैन्य कार्रवाई में मदद की जा सकती है। उन्होंने दावा किया कि इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भरोसा दिलाया है कि आर्थिक नाकेबंदी से ईरान आत्मसमर्पण कर देगा। रेजाई ने कहा, नेतन्याहू ने ट्रंप से वादा किया है कि अगर वह ईरान पर छह महीने या दो से तीन महीने तक आर्थिक नाकेबंदी लगाते हैं, तो ईरान आत्मसमर्पण कर देगा। रेजाई ने यह भी दावा किया कि अमेरिका अपने सहयोगियों की मदद पर निर्भर है। उन्होंने कहा, ट्रंप अकेले हैं और उन्हें नाटो और अपने सहयोगियों की मदद चाहिए। उन्होंने कहा कि ईरान ने प्रतिबंधों से बचने के तरीके विकसित कर लिए हैं। इससे वह तेल बेचता रह सकता है। उन्होंने कहा, ईरान ने वर्षों के दौरान प्रतिबंधों से बचना और तेल बेचना सीख लिया है।

ईरान युद्ध खत्म करना चाहता है

रेजाई ने दोहराया कि ईरान पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को खत्म करना चाहता है। उन्होंने कहा कि ईरान युद्ध चाहने वालों के खिलाफ खड़ा है। उन्होंने कहा, ईरान पश्चिम एशिया में युद्ध खत्म करना चाहता है और दुनिया के युद्ध भड़काने वालों के खिलाफ खड़ा है। रेजाई ने कहा, हर घर आर्थिक युद्ध शुरू करने की जगह बन सकता है। उन्होंने आगे कहा, ईरानी युवाओं को अर्थव्यवस्था में उतरना चाहिए। हर मोहल्ला आर्थिक युद्ध के लिए मिसाइल बेस बन सकता है। रेजाई ने अमेरिका की आर्थिक चुनौतियों का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि ट्रंप के राष्ट्रपति रहने के दौरान अमेरिका का कर्ज बढ़ा है। **होर्मुज पर अधिकार को लेकर क्या कहा :** रेजाई ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को संभालने का अधिकार ईरान के पास है। उन्होंने इसके लिए फारस की खाड़ी में ईरान की लंबी तटरेखा का हवाला दिया। उन्होंने कहा, फारस की खाड़ी के 50 प्रतिशत से ज्यादा तट पर ईरान का अधिकार है। इसलिए होर्मुज जलडमरूमध्य का प्रबंधन हमें ही करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान अपना बचाव करेगा। वह अमेरिका को ईरानी क्षेत्र तक पहुंचने की अनुमति नहीं देगा। रेजाई ने कहा, हम पूरी ताकत से ईरान की रक्षा करेंगे और अमेरिकियों को ईरान तक पहुंचने की अनुमति नहीं देंगे।

अमेरिका पर कनाडा का पलटवार 8 सितंबर से लगाएगा जवाबी टैरिफ, पीएम मार्क ने किया एलान

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शनिवार को कहा कि उनका देश 8 सितंबर से अमेरिका से आने वाले सामान पर जवाबी शुल्क (टैरिफ) लगाएगा। इससे पहले अमेरिका ने करीब 20 अरब अमेरिकी डॉलर कीमत के कनाडाई सामान पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया था। दोनों देशों के बीच इस व्यापारिक विवाद को बातचीत से खत्म करने की आखिरी कोशिश भी शुक्रवार देर रात वाशिंगटन में नाकाम हो गई।

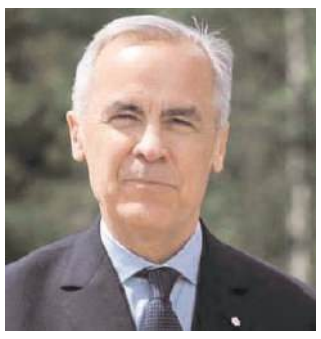

कनाडाई प्रधानमंत्री ने क्या कहा: प्रधानमंत्री कार्नी ने कहा कि अमेरिका कनाडा के सामान पर जितने डॉलर का टैरिफ लगाएगा, कनाडा भी उतने ही डॉलर के जवाबी टैरिफ अमेरिकी सामानों पर लगाएगा। यह टैरिफ इस्पात, डेयरी उत्पाद, घरेलू उपकरण, खेती में इस्तेमाल होने वाली मशीनें, कागज बनाने का कच्चा माल और कागज व इलेक्ट्रॉनिक सामान पर लगाया जाएगा। किन-किन खास उत्पादों पर टैरिफ लगेगा, इसकी जानकारी आने वाले दिनों में जारी की जाएगी। क्या अमेरिका की मांगों से बिगड़ी बात: कार्नी ने ओटावा में यह भी बताया कि कनाडा इस्पात, एल्युमिनियम और कारों पर लगाए गए अपने बाकी जवाबी टैरिफ हटाने के लिए तैयार था। लेकिन इसके लिए अमेरिका को अपने लगाए टैरिफ में बड़ी कटौती करनी थी। कनाडा अमेरिकी शराब की बिक्री दोबारा शुरू करने के लिए अपने प्रांतों को प्रोत्साहित करने के लिए तैयार था। लेकिन अमेरिकी की आखिरी मांगें बहुत ज्यादा थीं। कनाडाई पीएम ने कहा, उन्होंने बहुत ज्यादा मांगा और बदले में बहुत कम दिया।

इस्राइल को हथियार सप्लाई पर भड़का ईरान: फ्रांस और ब्रिटेन को दी दोटूक चेतावनी, बोला- यह अपराधों में भागीदारी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने इस्राइल को हथियार और अन्य समर्थन देने को लेकर फ्रांस और च की आलोचना की है। उनकी टिप्पणी 102 पूर्व ब्रिटिश और फ्रांसीसी राजनयिकों की उस अपील के बाद आई, जिसमें दोनों देशों से इस्राइल पर ठोस दबाव बनाने, हथियारों की आपूर्ति और सैन्य सहयोग रोकने, बस्तियों से जुड़े व्यापार पर प्रतिबंध लगाने तथा अंतरराष्ट्रीय अदालतों के फैसलों को लागू करने की मांग की गई है। राजनयिकों ने वेस्ट बैंक में बस्तियों के विस्तार, घरों को गिराए जाने और बसने वालों की हिंसा को लेकर गंभीर चिंता जताई है।

लंदन और पेरिस को 'चिंता' के पीछे नहीं छिपना चाहिए: ब्रिटिश और फ्रांसीसी पूर्व राजनयिकों की उस अपील के जवाब में, जिसमें उन्होंने अपनी सरकारों से फलस्तीन में अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने का आग्रह किया था, गरीबाबादी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लंदन और पेरिस को इस स्थिति में सिर्फ चिंता व्यक्त करने की बात कहकर पीछे नहीं छिपना चाहिए। उस शासन को हथियार भेजना और किसी भी तरह का समर्थन देना, जायोनी शासन द्वारा किए

जा रहे अपराधों में सहयोग और भागीदारी का जानबूझकर किया गया फैसला है।

100 से अधिक पूर्व राजनयिकों ने उठाई आवाज़: गरीबाबादी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब 100 से अधिक अनुभवी ब्रिटिश और फ्रांसीसी राजनयिकों ने अपनी-अपनी सरकारों को चेतावनी दी है कि इस्राइल की नीतियां जातीय सफाए और फलस्तीन को खत्म करने की दिशा में बढ़ रही हैं। उन्होंने लंदन और पेरिस से ठोस कदम उठाने की मांग की है। इनमें हथियारों की आपूर्ति रोकना, इस्राइली बस्तियों के साथ व्यापार पर प्रतिबंध लगाना और हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय अदालतों के फैसलों को लागू करना शामिल है। गरीबाबादी ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में लिखा,100 से अधिक अनुभवी ब्रिटिश और फ्रांसीसी राजनयिकों ने अपनी सरकारों को चेतावनी दी कि जायोनी शासन की नीति 'जातीय सफाए' और 'फिलिस्तीन को खत्म करने' की ओर बढ़ रही है। उन्होंने लंदन और पेरिस से हथियारों की आपूर्ति रोकने, बस्तियों के साथ व्यापार पर प्रतिबंध लगाने और हेग अदालतों के फैसलों को लागू करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

102 पूर्व राजनयिकों ने इस्राइल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की: अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, गरीबाबादी की यह टिप्पणी 102 पूर्व फ्रांसीसी और ब्रिटिश राजनयिकों के एक समूह द्वारा अपनी सरकारों से संयुक्त रूप से इस्राइल पर प्रतिबंध लगाने की मांग किए जाने के बाद आई है। इन राजनयिकों ने चेतावनी दी कि कब्जे वाले फलस्तीनी इलाकों में इस्राइल की नीतियां भविष्य में फलस्तीनी राज्य के गठन की संभावना के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रही हैं।

'अंतरराष्ट्रीय कानून और समान अधिकारों' की पैरवी: अल जजीरा के अनुसार, फ्रांसीसी अखबार 'ले मोंडे' में प्रकाशित एक खुले पत्र में पूर्व राजनयिकों ने फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम से फलस्तीन में अंतरराष्ट्रीय कानून को बनाए रखने के लिए मिलकर काम करने और इस्राइलियों तथा फलस्तीनियों के लिए समान अधिकारों की वकालत करने का आग्रह किया। इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में संयुक्त राष्ट्र में ब्रिटेन के पूर्व राजदूत जेरेमी ग्रीनस्टॉक और एमीर जोन्स पैरी के साथ-साथ मध्य पूर्व के लिए फ्रांस के पूर्व निदेशक यवेस औबिन डी ला मेसुज़िएर और डेनिस बाउचार्ड भी शामिल हैं।

व्यापार और सैन्य सहयोग रोकने की मांग

अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व राजनयिकों ने फ्रांस और च से इस्राइल के साथ व्यापार समझौतों को निलंबित करने, हथियारों की आपूर्ति और सैन्य सहयोग रोकने, इस्राइली बस्तियों के साथ व्यापार पर प्रतिबंध लगाने तथा नागरिकों को कब्जे वाली फलस्तीनी जमीन पर संपत्ति खरीदने से रोकने का आग्रह किया है।

गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने पर जोर

पत्र में दोनों सरकारों से यह सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया गया है कि हऋ्ध्र सहित संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के माध्यम से गाजा तक मानवीय सहायता पहुंचती रहे। कानून तोड़ने पर सजा देने वाली ये कार्रवाइयां कानून के शासन की रक्षा करती हैं। और दिखाती हैं कि हिंसा का एक विकल्प भी मौजूद है।

भविष्य के फिलिस्तीनी राज्य को लेकर भी अपील

अल जजीरा के अनुसार, पत्र में फिलिस्तीनी नेतृत्व से यह सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया गया है कि भविष्य का फलस्तीनी राज्य लोकतांत्रिक और कानून का पालन करने वाला बना रहे। साथ ही, आगामी चुनावों को राजनीतिक बदलाव के एक अवसर के रूप में रेखांकित किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

आंखों में मिर्च पाउडर डालकर दिल्ली पुलिस पर लाठी-डंडों से हमला, दो हेड कॉन्स्टेबल समेत तीन घायल

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली में भलस्वा डेयरी थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर स्थित जनता विहार में पुलिसकर्मियों पर ड्यूटी के दौरान हमला करने का मामला सामने आया है। घटना में तीन पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। पुलिस ने मौके से 17 वर्षीय किशोर को पकड़ लिया, जबकि मुख्य आरोपी समेत अन्य लोग फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, 22 अगस्त को करीब 3 बजे बीट स्टाफ के हेड कॉन्स्टेबल दिनेश और हेड कॉन्स्टेबल राजेश जनता विहार में गश्त कर रहे थे। जांच के दौरान उन्हें एक मोटरसाइकिल मिली, जिसके वैध दस्तावेज नहीं थे। नियमानुसार बाइक को दिल्ली पुलिस अधिनियम की धारा 66 के तहत थाने में जमा कराया गया। बताया कि करीब साढ़े तीन बजे दोनों पुलिसकर्मी बीट पर लौटे तो बाइक मालिक और उसके परिवार के कुछ सदस्य वहां पहुंच गए। पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए आरोपियों ने पुलिसकर्मियों की आंखों में मिर्च पाउडर डाल दिया और ईंट व डंडों से हमला कर दिया। वहीं, सहायता के लिए पहुंचे हेड कॉन्स्टेबल टीनू पर भी हमला किया गया। तीनों पुलिसकर्मी घायल हुए, जबकि दिनेश के सिर में चोट लगी है। इस मामले में एफआईआर संख्या 537/26 दर्ज की गई है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। मुख्य आरोपी सुनील उर्फ पंकज इलाके का बीसी है और उसके खिलाफ पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें दो एनडीपीएस और गंभीर अपराधों से जुड़े हैं।

दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल ने रचा इतिहास, पहली बार रोबोटिक तकनीक से हुआ सफल घुटना प्रत्यारोपण

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (वीएमएमसी) एवं सफदरजंग अस्पताल के केंद्रीय हड्डी रोग संस्थान (सीआईओ) में पहली बार रोबोट-असिस्टेड टोटल नी रिप्लेसमेंट (टीकेआर) किया गया। 22 अगस्त को 75 वर्षीय आर्थिक रूप से कमजोर पुरुष मरीज का घुटना प्रत्यारोपण आयुष्मान भारत योजना के तहत निःशुल्क किया गया। इसके साथ ही अस्पताल में रोबोटिक आर्थोपेडिक सर्जरी की शुरुआत हुई। अस्पताल की निदेशक डॉ. कविता शर्मा के सहयोग और प्रोत्साहन से यह सुविधा शुरू की गई है। सर्जरी सीआईओ के निदेशक प्रो. डॉ. सुमित सुराल के चिकित्सकीय मार्गदर्शन में हुई। सर्जिकल टीम का नेतृत्व कंसल्टेंट प्रोफेसर एवं यूनिट हेड डॉ. भागवती प्रसाद शर्मा ने किया। उनके साथ डॉ. ध्रुव मेनी और डॉ. कार्तिक यादव रहे। एनेस्थीसिया टीम का नेतृत्व डॉ. सुशील गुरिया ने किया। नर्सिंग टीम में सिस्टर रेखा व रितिका और तकनीकी टीम में विजेंदर ने सहयोग किया।

दिल्ली में नाले में गिरा 15 साल का किशोर, खोजबीन में जुटीं पुलिस-एमसीडी और दमकल की टीमें

नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के सरिता विहार थाना क्षेत्र स्थित जसोला गांव में शनिवार को 15 वर्षीय किशोर नाले में गिरकर लापता हो गया। पुलिस और एमसीडी की टीम ने काफी खोजबीन की, पर देर रात तक उसका कुछ पता नहीं चल पाया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, किशोर मिथुन का परिवार जसोला में ही किराए पर रहता है और पिता ऑटो चालक है। दोपहर में पतंग लूटने के चक्कर में वह जसोला नाले में गिर पा। पार्षद मनीष चौधरी के मुताबिक, नाले में गाद और कचरा जमा है। जसोला सीवेज प्लांट से निकलने वाला शोधित जल इस नाले के माध्यम से आगरा कैनाल में गिरता है। नाले के दोनों तरफ मकान बने हैं। बुलडोजर जाने की जगह ही नहीं है। बताया गया कि क्रिब्स हॉस्पिटल के पास नाला भूमिगत है। रात तक एमसीडी, पुलिस और फायर की टीमों के साथ स्थानीय लोगों ने खोजने की कोशिश की, पर उसका कुछ पता नहीं चला। रविवार सुबह से फिर से किशोर की खोजबीन शुरू कर दी गई है, हालांकि अभी तक उसका कुछ पता नहीं चला है।

जाम से मिलेगी निजात! खान मार्केट की ट्रैफिक पंचायत में पार्किंग से लेकर अतिक्रमण तक पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में खान मार्केट और आसपास के इलाकों में ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए शनिवार को 'ट्रैफिक पंचायत' के तहत समन्वय बैठक आयोजित की गई। हुमायूं रोड स्थित डिजास्टर मैनेजमेंट सेंटर के कान्फ्रेंस रूम में हुई बैठक की अध्यक्षता यातायात पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त अजय चौधरी ने की। बैठक में दिल्ली पुलिस, एनडीएमसी और खान मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने इलाके में पार्किंग, अतिक्रमण, यातायात संचालन, पिक-एंड-ड्राप और निगरानी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

पार्किंग की कमी का मुद्दा : बैठक में खान मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीव मेहरा समेत पदाधिकारियों ने बाजार में पार्किंग की कमी का मुद्दा उठाया। उन्होंने अमृता शेरगिल मार्ग स्थित वर्षों से खाली पड़े प्लॉट में भूमिगत पार्किंग विकसित करने की संभावना तलाशने का सुझाव दिया।

एनडीएमसी अधिकारियों ने बताया कि अतिरिक्त पार्किंग सुविधाओं के लिए प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है। इसमें प्रस्तावित भूमिगत पार्किंग के अलावा 'लिटिल धवल' के सामने पार्किंग की व्यवस्था भी शामिल है।

कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश : अजय चौधरी ने अधिकारियों को एनडीएमसी और व्यापारियों के साथ लगातार समन्वय बनाए रखने और बैठक में उठाए गए मुद्दों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त रूप से खान मार्केट क्षेत्र में व्यवस्थित पार्किंग, सुचारु यातायात, अतिक्रमण नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर सहमति बनी।

बैठक में ये प्रमुख समस्याएं और समाधान सुझाए गए : अमृता शेरगिल मार्ग के खाली प्लाट में भूमिगत पार्किंग की संभावना तलाशने पर चर्चा हुई। शेरशाह रोड/एसबीएम रोड पर सड़क किनारे वाहनों की पार्किंग को नियंत्रित करने का निर्णय लिया गया।खान मार्केट और सुजान सिंह पार्क में लेन अनुशासन का पालन कराने के लिए लक्षित कार्रवाई पर जोर दिया गया। खान मार्केट की अंदरूनी सड़कों पर यातायात का दबाव कम करने के लिए वन-वे व्यवस्था लागू करने की संभावना पर विचार हुआ। सुजान सिंह पार्क में पीक आवर्स के दौरान जरूरत के अनुसार ट्रैफिक सिग्नल का मैनुअल संचालन और एसबीएम रोड पर सिग्नल टाइमिंग बढ़ाने पर चर्चा हुई। सुजान सिंह पार्क में टैक्सी और आटो रिक्शा के लिए अलग पिक-एंड-ड्राप प्वाइंट और तीन-चार आटो रिक्शा के लिए निर्धारित स्टैंड बनाने का प्रस्ताव रखा गया।दिल्ली पुलिस और एनडीएमसी के प्रवर्तन अधिकारियों को नियमित संयुक्त अभियान चलाकर खान मार्केट और आसपास से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए। एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट के सामने स्थित अवैध पार्किंग को नियमों के अनुसार हटाने या दूसरी जगह स्थानांतरित करने की संभावना जांचने को कहा गया। खान मार्केट के प्रवेश बिंदुओं पर लगे एलपीआर कैमरों की स्थिति की समीक्षा की गई और इनके काम करने की जानकारी दी गई। द ओबेराय, ताज महल होटल और होटल एम्बेसडर-आइएचसीएल सिलेक्शंस के प्रतिनिधियों को मेहमानों के वाहनों की पार्किंग और नियमन के संबंध में जागरूक करने पर जोर दिया गया।

पीडब्ल्यूडी की लापरवाही से केंद्र तक नहीं पहुंची परियोजनाओं की सही जानकारी, 500 करोड़ से अधिक की योजनाओं पर अड़चन

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार जिन प्रस्तावित परियोजनाओं पर काम शुरू करने या निर्माणाधीन परियोजनाओं में आ रही अड़चनों को दूर करने में अपना योगदान दे सकती थी, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों की लापरवाही से दिल्ली सरकार इसका लाभ नहीं ले सकी। इसका कारण पीडब्ल्यूडी द्वारा इन परियोजनाओं के बारे में सही जानकारी डी-पीएमजी (दिल्ली प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप) पोर्टल पर अपलोड नहीं करना है। ऐसे में केंद्र सरकार तक सही जानकारी नहीं पहुंच सकी और केंद्र सरकार इन परियोजनाओं की जटिलताओं के बारे में अपना योगदान नहीं दे सकी। अधिकारियों की गलतियों का कारण पोर्टल के लिए प्रस्तावित प्रशिक्षण न लेना भी माना जा रहा है। दरअसल अधिकारी निर्माणाधीन परियोजनाओं की जानकारी देने के लिए बनाए गए डी-पीएमजी (दिल्ली प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप) पोर्टल में पिछले दो प्रशिक्षण सत्रों में 40 प्रतिशत से भी कम संख्या में शामिल हुए। इस लापरवाही का नतीजा उन्हें और विभाग का उठाना पड़ रहा है। प्रशिक्षण में शामिल नहीं होने से जानकारी के अभाव में गलतियां कर रहे है और आधी अधूरी जानकारी पोर्टल पर अपलोड कर रहे हैं। विभागीय जानकारों की मानें तो अगर निर्माणाधीन परियोजनाओं की अभियंताओं ने सही जानकारी पोर्टल पर अपलोड की जाती है तो केंद्र सरकार भी अपने स्तर पर समस्याओं के समाधान के लिए कोशिश करती है, दिल्ली सरकार की छह से अधिक निर्माणाधीन परियोजनाएं ऐसी हैं जिनकी लागत 500 करोड़ से अधिक है। विभाग ने पोर्टल के इस्तेमाल में गलतियां रोकने के लिए फिर से प्रशिक्षण दिए जाने का फैसला लिया है। केंद्रीय पीएमजी टीम की ओर से यह प्रशिक्षण 24 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। पीडब्ल्यूडी ने संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से शामिल होने के लिए निर्देशित किया है। बता दें कि पीएमजी (प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप) भारत सरकार का एक डिजिटल पोर्टल है। इस पोर्टल पर 500 करोड़ और इससे अधिक राशि वाली निर्माणाधीन परियोजनाओं की जानकारी अपलोट करने का प्रविधान है।

42 साल बाद पकड़ा गया हत्यारा, दोस्त की पत्नी पर गलत नजर के शक में ली थी जान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हत्या के मामले में 42 वर्षों से फरार चल रहे शातिर अपराधी नत्थूलाल को यूपी के हरदोई से गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। 1984 में जनकपुरी थाने में दर्ज हत्या के एक मामले में वह वांछित था। दोस्त की पत्नी के साथ अवैध संबंधों के शक में उसने दोस्त के साथ मिलकर विकासपुरी के एक पार्क में अशोक नाम के युवक पर चाकू से वार कर हत्या कर दी थी। वारदात में शामिल एक आरोपित को पुलिस ने दबोच लिया था लेकिन नत्थूलाल तभी से फरार चल रहा था। विशेष आयुक्त क्राइम ब्रांच एचजीएस धालीवाल के मुताबिक 22 मई 1984 की रात पश्चिम दिल्ली के विकासपुरी स्थित डिस्ट्रिक्ट पार्क से पुलिस ने एक युवक का शव बरामद किया था। मृतक के शरीर पर चाकू के कई वार किए गए थे।

उसकी पहचान यूपी के सीतापुर के रहने वाले अशोक कुमार के रूप में हुई थी। शुरुआती जांच में सीतापुर के ही रहने वाले विभूती प्रसाद की संलिप्तता सामने आई, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया था। लेकिन उसका साथी नत्थूलाल फरार चल रहा था। पिछले 42 सालों से वह पुलिस को चकमा दे रहा था। चार दशकों से ठंडे बस्ते में पड़े इस मामले को क्राइम ब्रांच ने चुनौती के रूप में लिया। डीसीपी आदित्य गौतम के निर्देश पर एसीपी सत्येंद्र मोहन व इंस्पेक्टर सुनील कुमार कालखंडे की टीम ने पुरानी केस फाइलों का गहराई से अध्ययन किया और जानकारी जुटाने के लिए महीनों तक सीतापुर और हरदोई जिलों में संभावित जगहों पर डेरा डाले रखा। फील्ड वेरिफिकेशन के दौरान पता चला कि नत्थूलाल जीवित है। वह कभी-कभी अपने गांव भी आता है। गांव के कुछ लोगों से पुलिस ने आरोपित के नए मोबाइल नंबर के बारे में पता लगा लिया था। पुलिस टीम लगातार उनके लोकेशन पर नजर रख रही थी। उसी क्रम में 17 अगस्त को हरदोई गांव में इसे देखे जाने के बारे में सूचना मिली, जिसके बाद निगरानी बढ़ा दी गई।

फिर लौटेगा ई-10 पेट्रोल पंप संचालकों की बढ़ीं मुश्किलें; बढ़ते विवाद पर याद आया पुराना विकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में ई-20 (20 प्रतिशत एथेनाल मिश्रित) पेट्रोल को लेकर विवाद के बीच दोबारा ई-10 पेट्रोल उपलब्ध कराने के विकल्प के सुझाव ने पंप संचालकों की दुविधा बढ़ाई है। क्योंकि, उस स्थिति में न सिर्फ पेट्रोल पंपों में आधारभूत संरचनाओं में बदलाव करना होगा, बल्कि पंप मालिकों पर वित्तीय दबाव बढ़ेगा। साथ ही बदलाव के लिए कुछ माह के लिए पंपों को बंद करना पड़ सकता है। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने हाल ही में एक लेख में पुरानी गाड़ियों के लिए ई-10 पेट्रोल का विकल्प देने का सुझाव दिया है। उनकी यह राय ऐसे वक्त में जब ई-20 पेट्रोल से वाहन के इंजन व कलपूर्जों में खराबी के साथ चीनी की दर में तेजी का आरोप लगाते हुए विपक्ष के राजनीतिक हमले तेज हैं।

ई-20 पेट्रोल की बिक्री जारी रहेगी : मुख्य आर्थिक सलाहकार के सुझाव को पंप संचालक ऐसी पहल के तौर पर देख रहे हैं, जिस पर विवाद के पटाक्षेप के लिए पेट्रोलियम मंत्रालय शायद आगे बढ़े। पूर्ववर्ती मनमोहन सिंह सरकार में ई-10 पेट्रोल की शुरुआत हुई थी, जिसे बढ़ाकर कुछ वर्ष से ई-20 किया गया है। हालांकि, सरकार ने कई मौकों पर स्पष्ट किया है कि वह पीछे नहीं लौटने जा रही, बल्कि ई-20 पेट्रोल की बिक्री जारी रहेगी।

अतिरिक्त पाइपलाइन की होगी आवश्यकता : वहीं, पंप संचालक कहते हैं कि उनके लिए भी लौटना आसान नहीं है, क्योंकि उसके लिए पंपों पर कई ढांचागत बदलाव करने होंगे। दिल्ली पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन (डीपीडीए) के अध्यक्ष बिबेक बनर्जी के अनुसार, प्रत्येक पेट्रोल पंप पर ई-10 ईंधन को स्टोर करने के लिए अलग से भूमिगत टैंक, दो से तीन नए डिस्पेंसर पंप और अतिरिक्त पाइपलाइन की आवश्यकता होगी। वहीं, मौजूदा समय में पेट्रोल व डीजल के दो-दो प्रकार के साथ कुछ पंपों पर 100 प्रतिशत आक्टेन (शत प्रतिशत पेट्रोल) और 85 ई पेट्रोल (85 प्रतिशत एथेनाल) बिक्री के लिए भी अलग-अलग टैंक व पंप के साथ उसके लिए कर्मचारी हैं।

दो-तीन पंपों की करनी होगी व्यवस्था : पंप संचालकों के अनुसार, यह भारी वित्तीय दबाव वाला होगा। एक टैंक करीब 20 हजार लीटर का होता है। उसके साथ उसके लगाने का खर्च, साथ में कम से कम दो-तीन पंपों की व्यवस्था करनी होगी। कई पंपों पर अतिरिक्त टैंक व मशीनें लगाने के लिए जगह तक नहीं बची है। ऐसे में वहां उसे लागू करना काफी कठिन होगा। एथेनाल मिश्रित पेट्रोल के विरूद्ध विरोध प्रदर्शन की चेतावनी ई-20 (20 प्रतिशत मिश्रित एथेनाल) पेट्रोल के विरूद्ध दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट्स एसोसिएशन ने विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी है।

5 साल में 8 छात्रों की मौत, आईआईटी दिल्ली के मामलों ने खड़ा किया बड़ा सवाल और एक्सपर्ट्स की राय

नई दिल्ली, एजेंसी। आईआईटी दिल्ली में छात्रों की मानसिक सेहत और संस्थागत सहायता व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। संस्थान में पिछले 5 वर्षों में 8 छात्रों की आत्महत्या के मामले सामने आए हैं। इनमें दो मामले वर्ष 2026 के हैं। 13 मार्च को प्रथम वर्ष के बीटेक सिविल इंजीनियरिंग के छात्र की मौत हुई थी, जबकि शनिवार, 22 अगस्त को एमएससी फिजिक्स के छात्र की मौत हुई। ताजा मामले की दिल्ली पुलिस जांच कर रही है। लगातार सामने आ रहे मामलों ने यह सवाल खड़ा किया है कि संस्थान में उपलब्ध सहायता व्यवस्था छात्रों तक कितनी प्रभावी ढंग से पहुंच पा रही है। 5 साल में 8 मामले, इस वर्ष दो मौतें आंकड़ों के अनुसार,

आईआईटी दिल्ली में एक जून 2021 को बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग, 19 अक्टूबर 2021 को इंजीनियरिंग फिजिक्स, जुलाई और सितंबर 2023 में बीटेक गणित एवं कंप्यूटिंग, अक्टूबर 2023 में बीटेक और फरवरी 2024 में एमटेक पालीमर साइंस एंड टेक्नोलॉजी के छात्रों की मौत के मामले सामने आए। इसके बाद मार्च 2026 में बीटेक और अगस्त में एमएससी छात्र की मौत हुई।

14 काउंसलर, फिर भी सहायता व्यवस्था पर सवाल : आईआईटी दिल्ली का कहना है कि छात्रों के अकादमिक दबाव, भाषा संबंधी कठिनाइयों और मानसिक तनाव से निपटने के लिए कई स्तर पर सहायता उपलब्ध है। संस्थान में 14 काउंसलर हैं। प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए परिचयात्मक और ऑनलाइन सत्र, छात्रावासों में काउंसलिंग तथा जरूरत पड़ने पर मनोचिकित्सकीय सहायता की व्यवस्था है। अक्टूबर 2023 से अस्पतालों के साथ समझौते कर आपात मनोवैज्ञानिक एवं मनोचिकित्सकीय सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है। मानसिक स्वास्थ्य के कारण पढ़ाई से विराम लेने की सुविधा भी दी जाती है। युवाओं के सामान्य व्यवहार में आया बदलाव। अगर वह अचानक दोस्तों और परिवार से दूरी बनाने लगे, पहले जिन चीजों में रुचि थी उनसे हट जाए, पढ़ाई या काम में प्रदर्शन गिरने लगे, बार-बार अनुपस्थित रहने लगे, बहुत चिड़चिड़ा या निराश दिखाई दे या उसकी दिनचर्या में बड़ा बदलाव आए, तो इसे केवल ÷उम्र का असर÷ या सामान्य तनाव कहकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। किसी एक संकेत से निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए। लेकिन कई बदलाव एक साथ दिखाई दें, लगातार बने रहें या तेजी से बढ़ें, तो उस युवा से संवेदनशीलता से बात करना जरूरी है।

लैंड पूलिंग से बदलेगी दिल्ली की तस्वीर, 600 किमी सड़क नेटवर्क और 200 वर्ग किमी क्षेत्र का होगा विकास

नई दिल्ली, एजेंसी। विकसित दिल्ली के लक्ष्य को ध्यान में रखकर दिल्ली मास्टर प्लान-2047 में राजधानी के लगभग 200 वर्ग किलोमीटर शहरी विस्तार वाले क्षेत्रों के एकीकृत और आधारभूत ढांचे के विकास को सुगम बनाने के लिए लैंड पूलिंग नीति को मजबूत किया जाएगा। इसके लिए लैंड पूलिंग क्षेत्र में लगभग 600 किलोमीटर के सड़क नेटवर्क विकसित होगा। साथ ही 30 मीटर और उससे अधिक चौड़ी सड़कों को डीडीए द्वारा अधिसूचित और विकसित किया जाएगा।

इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार का नया मॉडल : इन क्षेत्रों में आवासीय विकास के साथ ही अच्छे जीवन स्तर के लिए स्कूल, स्वास्थ्य सुविधाएं, पार्क और हरित स्थान, व्यावसायिक केंद्र और अन्य सार्वजनिक जन-सुविधाएं और आधारभूत ढांचा उपलब्ध होगा।दिल्ली में शहरी क्षेत्र के विस्तार में निजी स्वामित्व वाली भूमि के नियोजित और समावेशी विकास के लिए 2018 में लैंड पूलिंग नीति अधिसूचित की गई थी। इसमें डीडीए एक सूत्रधार है और भूस्वामी स्वेच्छा से शहर-निर्माण की प्रक्रिया में भाग ले रहे हैं।

दिल्ली मास्टर प्लान-2047 में ज़मीनी स्तर पर इसके कार्यान्वयन में तेज़ी लाने के उपाय किए गए हैं। भूस्वामियों द्वारा स्वेच्छा से आपस में भूमि इकट्ठा करने और कंसोर्टियम (भूस्वामियों के समूह) के माध्यम से वैकल्पिक विकास माडल का प्रविधान किया गया है, जिसमें 20 हेक्टेयर या इससे अधिक भूमि में टाउन प्लानिंग की जा सकती है।

लैंड पूलिंग क्षेत्रों में यूईआर-II के साथ उच्च सघनता वाला मिश्रित-उपयोग विकास का प्रविधान किया गया है। इसके अंतर्गत इस कारिडोर के साथ लाजिस्टिक्स व वेयरहाउसिंग, व्यावसायिक व सांस्थानिक गतिविधियों और सस्ते आवास के एकीकृत मिश्रण की परिकल्पना की गई है। इससे आवास, निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

जुलाई 2026 तक 7615 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे और 7885 हेक्टेयर से अधिक भूमि पंजीकृत/पूल की गई थी। 16 सेक्टरों में 70 प्रतिशत भूमि इसमें शामिल कर ली है और डीडीए द्वारा विभिन्न योजना जोन में आने वाले इन सेक्टरों के लिए कंसोर्टियम के गठन के लिए अंतिम नोटिस जारी किए गए हैं। जोन पी-II का सेक्टर 8बी, जो गढ़ी खसरो और इब्राहिमपुर गांवों में आता है, 70 प्रतिशत पूल्ड भूमि प्राप्त करने और नीति के तहत विकास के लिए प्रथम पात्र क्षेत्र के रूप में उभरा है। आठ और सेक्टरों के भूस्वामियों ने कंसोर्टियम के गठन के संबंध में डीडीए को सूचित किया है।

नौकरी से निकाले जाने का बदला: कारोबारी की पत्नी को बंधक बनाकर 75 लाख की डकैती, 48 घंटे में छह आरोपित गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। अशोक विहार थाना के अंतर्गत कारोबारी की पत्नी को चाकू की नोक पर बंधक बनाकर दिनदहाड़े 75 लाख रुपये की डकैती करने वाले गिरोह का पुलिस ने 48 घंटे में पर्दाफाश कर दिया। अशोक विहार थाना पुलिस और स्पेशल स्टाफ की संयुक्त टीम ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पंजाब में छापेमारी कर छह आरोपितों और दो नाबालिगों को पकड़ा है। आरोपितों के कब्जे से 51.52 लाख रुपये नकद और लूट की रकम से खरीदे गए करीब 2.33 लाख रुपये कीमत के तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए। नौकरी से निकाले जाने पर था नाराज दिल्ली से पकड़े गए नाबालिग में से एक कारोबारी का पूर्व कर्मचारी है और वही इस पूरी साजिश का मास्टरमाइंड बताया जाता है। बताया जा रहा है कि नौकरी से निकाले जाने के चलते नाराज हो कर उसने डकैती की योजना बनाई।

एडिशनल डीसीपी रविनंदन बीएम ने बताया कि वारदात 19 अगस्त को हुई थी। 54 वर्षीय नीरा घर में अकेली थीं। उनके पति सुबह करीब नौ बजे फैक्ट्री चले गए थे, जबकि उनकी जुड़वां बेटियां करीब 11-30 बजे चावड़ी बाजार स्थित दुकान के लिए निकली थीं।

बेटियों के जाने के कुछ मिनटों बाद दो बदमाश सीढ़ियों के पास खड़े हो गए और डिलीवरी ब्वाय बनकर महिला से पीने का पानी मांगने के बहाने अंदर घुसे थे। महिला को शक हुआ तो उन्होंने गेट बंद करना चाहा, लेकिन बदमाशों ने जबरन गेट खोल लिया और उन्हें अंदर खींच लिया। आरोपितों ने महिला को एक कमरे में ले जाकर उसके हाथ-पैर बांध दिए और चाकू दिखाकर चुप रहने की धमकी दी। कुछ ही देर बाद दो अन्य साथी भी घर में घुस आए। उन्होंने महिला के हाथ-पैर टेप से बांध दिए और मुंह पर भी टेप लगा दिया। एक बदमाश चाकू लेकर महिला के पास खड़ा रहा, जबकि अन्य आरोपितों ने घर के अलग-अलग कमरों की तलाशी ली। करीब 20-25 मिनट तक घर खंगालने के बाद वे नकदी और सामान बैग में भरकर फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए अशोक विहार थाना और स्पेशल स्टाफ की संयुक्त टीमें गठित कीं गई। टीमों ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ तकनीकी निगरानी की मदद से आरोपितों की तलाश शुरू की। जांच में दिल्ली और अमृतसर में आरोपितों की मौजूदगी के सुराग मिले। इसके बाद दिल्ली, गाजियाबाद और अमृतसर में कई स्थानों पर एक साथ छापेमारी की गई और 48 घंटे के भीतर पूरे गिरोह को पकड़ लिया गया।

एक महीने से चल रही थी घर की रेकी : डकैती की साजिश पेशेवर अपराधी ने नहीं, बल्कि पीड़िता के पति की फैक्ट्री के एक पूर्व नाबालिग कर्मचारी ने रची थी। उसे परिवार के बिजनेस और घर में रखे नगद की पूरी जानकारी थी। वारदात को अंजाम देने के लिए पूरे एक महीने तक घर और परिवार के सदस्यों की रेकी की गई। वारदात से एक दिन पहले आरोपी सावन पार्क के एक होटल में ठहरे थे। मास्टरमाइंड को कुछ दिन पहले नौकरी से निकाल दिया गया था। इस वजह से वह बदले की भावना रखता था। लूट का हिस्सा दीपक के दिलशाद गार्डन स्थित घर में बांटा गया था। बताया जा रहा है कि आरोपित पर हत्या का भी मामला दर्ज है। नमन शर्मा से 2.40 लाख, दीपक उर्फ देव से 22 लाख, दिनेश उर्फ बल्लू से 6.40 लाख, अंश शर्मा से छह लाख, साहिल से 8.50 लाख, एक नाबालिग से 72 हजार और आर्यन उर्फ शेरा से 5.50 लाख रुपये बरामद किए गए। दिनेश से आइफोन 17, जबकि आर्यन से आइफोन 17 प्रो और वनप्लस मोबाइल मिला।

जल जीवन मिशन के कार्यों का प्रमुख अभियंता ने किया निरीक्षण

मेहरूखेड़ी में ग्रामीणों से संवाद, अटारी खेजड़ा में निर्माणाधीन उच्च स्तरीय टंकी व सम्पवेल के कार्यों की ली जानकारी

विदिशा,एजेंसी। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान-2026 के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता श्री संजय कुमार अंधवान एवं अधीक्षण यंत्री श्री एम.सी. अहिरवार ने विकासखंड ग्यारसपुर के ग्राम मेहरूखेड़ी एवं अटारी खेजड़ा का भ्रमण कर जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित एवं निर्माणाधीन नल-जल योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने पेयजल व्यवस्था की स्थिति, योजनाओं के संचालन तथा निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया।

मेहरूखेड़ी में ग्रामीणों से लिया पेयजल व्यवस्था का फीडबैक: ग्राम मेहरूखेड़ी में प्रमुख अभियंता श्री संजय कुमार अंधवान ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर गांव में पेयजल आपूर्ति की स्थिति, पेयजल की गुणवत्ता तथा नल-जल योजना के संचालन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ग्रामीणों से योजना के नियमित संचालन में आ रही समस्याओं के बारे में भी चर्चा की और आवश्यक सुझाव दिए। प्रमुख अभियंता ने ग्रामीणों को नल-जल योजना के सुचारू एवं निरंतर संचालन के लिए निर्धारित पेयजल शुल्क की राशि प्रतिमाह समय पर जमा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों द्वारा नियमित रूप से जमा की जाने वाली राशि का उपयोग योजना से संबंधित विद्युत बिलों के भुगतान, पंप ऑपरेटर के मानदेय तथा नल-जल योजना के आवश्यक संधारण एवं रखरखाव कार्यों में किया जाता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की सहभागिता एवं सहयोग से ही पेयजल योजनाओं को लंबे समय तक सुचारू रूप से संचालित रखा जा सकता है। उन्होंने ग्रामीणों से पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए नियमित शुल्क जमा करने तथा जल का सदुपयोग करने की अपील की।

अटारी खेजड़ा में निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता देखी:

इसके पश्चात अधिकारियों ने ग्राम अटारी खेजड़ा पहुंचकर जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्माणाधीन उच्च स्तरीय टंकी एवं सम्पवेल सहित अन्य संबंधित कार्यों का स्थल निरीक्षण किया। प्रमुख अभियंता ने निर्माण कार्य की वर्तमान प्रगति, उपयोग की जा रही निर्माण सामग्री तथा कार्य की गुणवत्ता का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी से कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए शेष निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण कार्यों में निर्धारित गुणवत्ता मानकों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने तथा कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश संबंधित ठेकेदार को दिए। निरीक्षण के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री अनुपम गहोई, सहायक यंत्री रहे।

पुजारी के घर घुसकर हमले के 5 दोषियों को सजा बेटी को भगाने से रोकने पर दरवाजा तोड़कर घुसे थे ; एक की मौत हो चुकी

रतलाम,एजेंसी। रतलाम में करीब ढाई साल पहले रात में पुजारी के मकान में घुसकर मारपीट व परिवार के सदस्यों पर जानलेवा हमला करने वाले पांच आरोपियों को कोर्ट ने शनिवार को 7-7 साल की सजा सुनाई है। हमले में पुजारी को शरीर पर चाकू से कई चोटे आई थी। फैसला सप्तम अपर सत्र न्यायाधीश रतलाम राजेश नामदेव ने सुनाया।

यह था मामला: पैरवीकर्ता अपर लोक अभियोजन एवं शासकीय अधिवक्ता समरथ पाटीदार ने बताया कि 30 जनवरी 2024 की रात लगभग 12:45 बजे फरियादी अपने परिवार के साथ कबीर साहब मंदिर परिसर के पीछे स्थित मकान में सो रहा था। फरियादी लगभग 30 वर्षो से मंदिर में पुजारी का कार्य कर रहा था। फरियादी की 18 वर्षीय बेटी को आरोपी भय्यु उर्फ यश अपने साथ ले जाकर उससे शादी करना चाहता था। इस कारण परिजनों द्वारा बेटी को उसकी नानी के पास ग्वालियर भेज दिया था। इसी बात से नाराज होकर आरोपी भय्यु उर्फ यश अपने अन्य पांच साथियों के साथ पुजारी के मकान पर पहुंचा। आरोपियों ने दरवाजा तोड़कर मकान में प्रवेश किया। फरियादी पर जान से मारने की नीयत से धारदार चाकू से प्राण घातक हमला कर दिया। फरियादी को बचाने आए उसके बेटे, पत्नी एवं माता के साथ भी आरोपियों द्वारा चाकू से हमला कर मारपीट की गई थी।

केस दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी: फरियादी की रिपोर्ट पर थाना स्टेशन रोड, रतलाम में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी। फरियादी एवं अन्य गवाहों के कथन लेकर आरोपी भय्यु उर्फ यश एवं रेहान उर्फ बाल को गिरफ्तार किया गया। भय्यु उर्फ यश से घटना में पेश धारदार चाकू भी जब्त किया। अन्य आरोपियों की संलिप्तता सामने आने पर उन्हें भी गिरफ्तार कर पांचों आरोपियों के खिलाफ अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया। न्यायालय में बयान के दौरान फरियादी व उसकी पत्नी ने आरोपीगण की पहचान मारपीट करने वालों के रूप में की थी। न्यायालय ने जुर्माने की राशि में से 15 हजार रुपए फरियादी को देने का आदेश किया। आरोपी भय्यु उर्फ यश को हाईकोर्ट से भी जमानत नहीं मिलने से गिरफ्तारी दिनांक 1 फरवरी 2024 से ही जेल में है। शेष आरोपी जमानत पर होने से गिरफ्तार कर इन्हें जेल भेज दिया।

मंदसौर में 6 दिन में सिर्फ 0.04 इंच बारिश :धूप-उमस से बढ़ी परेशानी, 24 से फिर बारिश के आसार

मंदसौर,एजेंसी। मंदसौर जिले में बारिश का दौर फिलहाल थमा हुआ है। पिछले छह दिनों में पूरे जिले में सिर्फ 0.04 इंच बारिश दर्ज हुई है। शनिवार को दिनभर धूप रही और रविवार को भी मौसम इसी तरह बना हुआ है। बारिश रुकने के बाद गर्मी और उमस बढ़ गई है।

31 डिग्री तक पहुंचा तापमान: शनिवार को मंदसौर में दिन का तापमान करीब 31 डिग्री सेल्सियस रहा। बारिश नहीं होने से उमस का असर बढ़ गया। दलौदा, अफजलपुर, सीतामऊ, नाहरगढ़, भानपुरा, गरोठ, सुवासरा, शामगढ़, मल्हारगढ़, पिपलियामंडी, नारायणगढ़, डिगांव और बरखेड़ा समेत ज्यादातर इलाकों में भी बारिश नहीं हुई। इस साल अब तक 20.37 इंच बारिश: 1 जून से 23 अगस्त तक जिले में औसतन 517.4 मिमी यानी 20.37 इंच बारिश दर्ज की गई है। पिछले साल इसी अवधि में 22.11 इंच बारिश हुई थी। यानी इस साल अब तक करीब 2 इंच कम बारिश हुई है। जिले में सबसे ज्यादा बारिश धुंधड़का में 645 मिमी दर्ज की गई है। इसके बाद भावगढ़ में 576.2, मल्हारगढ़ में 541, शामगढ़ में 538.2, गरोठ में 527, सीतामऊ में 520, सुवासरा में 514.1, मंदसौर में 501, भानपुरा में 498.6, कयामपुर में 427.5 और संजीत में 403 मिमी बारिश हुई है।

मंदसौर तहसील में 60 मिमी कम बारिश: मंदसौर तहसील में 1 जून से 23 अगस्त तक 501 मिमी यानी करीब 19.72 इंच बारिश हुई है।

सागर में बीएमसी-नर्सिंग कॉलेज को मिली 60 सीटों की मंजूरी

वर्ष 2024 में प्रवेश पर लगी थी रोक, 6 जिलों के छात्रों को मिलेगा सीधा लाभ

सागर,एजेंसी। सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (बीएमसी) के शासकीय कॉलेज ऑफ नर्सिंग को 60 नर्सिंग सीटों की मंजूरी मिल गई है। पिछले दो वर्षों से स्टाफ और जरूरी संसाधन जुटाने के प्रयासों के बाद संस्थान को यह अनुमति मिली है। वर्ष 2024 में नर्सिंग कॉलेज में प्रवेश पर रोक लग गई थी। इसके बाद प्रबंधन ने व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने और मान्यता बहाल कराने की प्रक्रिया शुरू की थी।

स्टाफ और संसाधन जुटाने के बाद मिला अनुमोदन:

प्रवेश पर रोक लगने के बाद बीएमसी प्रबंधन ने नर्सिंग कॉलेज की व्यवस्थाओं को बेहतर करने पर काम किया। आवश्यक स्टाफ और संसाधन उपलब्ध कराने के बाद कॉलेज की मान्यता के लिए आवेदन किया गया। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब 60 सीटों को मंजूरी दी गई है।

छह जिलों के विद्यार्थियों को मिलेगा : बीएमसी नर्सिंग कॉलेज में सीटें शुरू होने से सागर के साथ दमोह, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी जिले के विद्यार्थियों को भी लाभ मिलेगा। इन क्षेत्रों के विद्यार्थियों को नर्सिंग शिक्षा के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा और अपने ही संभाग में बेहतर शैक्षणिक सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ तैयार करने में मिलेगी मदद:

बीएमसी के डीन डॉ. पीएस ठाकुर ने बताया कि 60 नर्सिंग सीटों की उपलब्धता से संस्थान में प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ तैयार करने में मदद मिलेगी। इसका लाभ बीएमसी के साथ आसपास के शासकीय अस्पतालों को भी मिलेगा। प्रशिक्षित नर्सिंग कर्मियों की उपलब्धता बढ़ने से अस्पतालों में मरीजों की देखभाल और उपचार व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इससे सागर और आसपास के जिलों की स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

अपर कलेक्टर ने वनजागीर में विकास कार्यों और शासकीय संस्थानों का किया निरीक्षण

विदिशा,एजेंसी। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने शनिवार को गुलाबगंज तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत वनजागीर का भ्रमण कर विभिन्न विकास कार्यों एवं शासकीय संस्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन गौशाला, पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केंद्र, शासकीय विद्यालय सहित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकान एवं पेट्रोल पंप का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री डामोर ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से निर्माण कार्यों और विभागीय व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मौके पर उपलब्ध सुविधाओं, व्यवस्थाओं तथा निर्माण कार्यों की प्रगति का अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अपर कलेक्टर ने ग्राम भ्रमण के दौरान आमजनों से संवाद कर उनकी समस्याएं एवं स्थानीय आवश्यकताओं की जानकारी भी ली। ग्रामीणों द्वारा बताई गई समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि आमजन से जुड़ी समस्याओं के निराकरण में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो तथा निर्धारित समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने-अपने विभाग से संबंधित कार्यों की नियमित निगरानी करने तथा निर्देश दिए।

● तापमान 31 डिग्री ; अगले 5 दिन तेज बारिश के आसार नहीं

खरगोन में 11 दिन से बारिश का इंतजार

खरगोन,एजेंसी। खरगोन जिले में पिछले 11 दिनों से बारिश नहीं हुई है। इसके चलते दिन का तापमान बढ़कर 31 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। दोपहर में उमस भी बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों में खरगोन में तेज बारिश की संभावना कम है। हालांकि कुछ स्थानों पर हल्की बौछारें पड़ सकती हैं।

12 अगस्त को हुई थी आखिरी बारिश: जिले में आखिरी बार 12 अगस्त को बारिश दर्ज की गई थी। इसके बाद से मौसम शुष्क बना हुआ है। दिन में धूप निकलने के साथ उमस बढ़ रही है। खरगोन, गोगावां, भीकनगांव और भगवानपुरा क्षेत्र में पहले हुई अच्छी बारिश का असर अब भी दिखाई दे रहा है। इन इलाकों से गुजरने वाली वेदा, कुंदा और उनकी सहायक नदियों में पानी बह रहा है।

बड़े जलाशय भरे, छोटे अब भी खाली: अच्छी बारिश के चलते देजला देवाड़ा, अपरवेदा और साटक जैसे बड़े जलाशय भर चुके हैं। हालांकि जिले के अधिकांश छोटे जलाशयों में अभी पर्याप्त पानी नहीं पहुंचा है। बारिश का दौर थमने से इन जलाशयों में पानी की आवक भी प्रभावित हुई है।

पिछले साल से 6 इंच ज्यादा बारिश: खरगोन में इस साल अब तक 24.7 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है। पिछले साल इसी अवधि में 18.7 इंच बारिश हुई थी। में करीब 6 इंच ज्यादा बारिश हो चुकी है।

सागर में उल्दन बांध ओवरफ्लो, 451 मीटर भरा

डूबे 3 प्रमुख पुल, बंद हुए रास्ते, प्रशासन ने तैनात किए सुरक्षा गार्ड

सागर,एजेंसी। सागर में बंडा वृहद सिंचाई परियोजना के तहत बनाए गए उल्दन बांध का जलस्तर क्रस्ट लेवल 451 मीटर से ऊपर पहुंचने के बाद बांध ओवरफ्लो हो गया है। लगातार बारिश के चलते बांध के कैचमेंट एरिया में पानी भरने लगा है। बांध से निकल रहे पानी के कारण आसपास के इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है।

बहरोल पुल पूरी तरह डूबा: बांध का पानी बढ़ने से सागर-धामोनी मार्ग पर ग्राम बहरोल में बना पुल पूरी तरह पानी में डूब गया है। इसके बाद इस मार्ग पर वाहनों का आवागमन बंद कर दिया गया है। मार्ग पर सुरक्षा की दृष्टि से लोगों को पुल पार करने से रोका जा रहा है। बांध निर्माण के बाद यह पहला मौका है, जब बारिश के सीजन में उल्दन बांध को पूरी क्षमता तक भरा जा रहा है। पहले वर्ष बांध का जलस्तर 451 मीटर तक रखने का लक्ष्य था, जो अब पूरा हो चुका है।

तीन पुल पानी में डूबे, कई रास्ते बंद: लगातार बारिश और बढ़ते जलस्तर के कारण सागर-धामोनी, बंडा-बांदरी और नीमोन-पिपरिया इल्लाई मार्ग प्रभावित हुए हैं। बंडा-बांदरी और नीमोन-पिपरिया इल्लाई मार्ग के पुल पहले ही डूब चुके थे, जबकि अब सागर-धामोनी मार्ग पर बहरोल का पुल भी पानी में डूब गया है। इन सभी मार्गों पर आवागमन बंद कर दिया गया है। लोगों की सुरक्षा के लिए संबंधित स्थानों पर सुरक्षा गार्ड भी तैनात किए गए हैं।

नर्मदापुरम में पैरामेडिकल स्टाफ ने फांसी लगाकर जान दी

सुबह बेटी ने फंदे पर लटका देखा तो चीखने लगी; पति-पड़ोसी अस्पताल ले गए

नर्मदापुरम,एजेंसी। नर्मदापुरम शहर के मालाखेड़ी रोड स्थित गोल्डन सिलिकॉन सिटी कॉलोनी की एक मल्टी में रहने वाली 43 वर्षीय महिला ने रविवार सुबह आत्महत्या कर ली। पहचान सरोज गोयल के रूप में हुई, जो शहर के निजी सेठा हॉस्पिटल में पैरामेडिकल स्टाफ के रूप में काम करती थीं। पुलिस के मुताबिक घटना रविवार सुबह करीब 7 बजे की है। तीसरे फ्लोर पर स्थित फ्लैट में महिला अपनी 11 साल की बेटी के साथ एक कमरे में सो रही थीं, दूसरे कमरे में पति नीलेश गोयल सो रहे थे। सुबह बेटी जागी तो उसने मां को घर की कवर्ड बालकनी में इस हालत में देखा और चीख पड़ी। आवाज सुनकर पति और पड़ोसी मौके पर पहुंचे और तत्काल उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद कॉलोनी में सनसनी फैल गई। परिवार में पति का मेडिसिन सप्लाई का व्यवसाय है। घटना के बाद पति और बेटी गहरे सदमे में है। कोतवाली पुलिस जांच कर रही है। पुलिस को पंखे में दुपट्टा लटका मिला घटना के बाद कोतवाली थाने से पुलिस और एफएसएल मौके पर पहुंची। बालकनी में दुप्पटे से बना फंदा पंखे में लटका मिला। पुलिस ने दुपट्टा और अन्य साक्ष्य मौके से जब्त किए।

सुसाइड की वजह पता लगा रहे: एसआई वंशज श्रीवास्तव ने बताया प्रथम दृष्टया मृत्यु फांसी से हुई है। घटनास्थल का मुआयना किया गया है। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच जारी है। परिवार के बयान दर्ज किए जाएंगे। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ओवरब्रिज हादसे में 17 दिन बाद बाइक सवार की मौत

आरोप- मेडिकल कॉलेज में न्यूरोसर्जन नहीं होने से जान गई; पीएम की सामग्री खरीदकर लाना पड़ा

खंडवा,एजेंसी। खंडवा में एक सड़क एक्सीडेंट के दौरान गंभीर घायल हुए जनपद सदस्य के भाई की इलाज के दौरान मौत हो गई। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजन के सुपुर्द कर दिया गया। हादसा मूंदी रोड़ पर सिहाड़ा ओवरब्रिज के पास हुआ था। आमने-सामने बाइक की भिड़ंत हो गई थी। मृतक की पहचान शेख अजीज (51) निवासी मुंदवाड़ा के रूप में हुई हैं। इधर, मृतक के भाई शेख इमरान (जनपद सदस्य) ने बताया कि भाई के परिवार में उनकी पत्नी और चार बेटे हैं, सभी बच्चे अविवाहित हैं। वे खेती करते हैं और घटना वाले दिन 5 अगस्त को घर से खंडवा जा रहे थे। इसी दौरान सामने से एक बाइक वाले ने रॉन्ग साइड आकर टक्कर मार दी थी। लोगों ने भाई को अस्पताल भिजवाया, सिर में अंदरुनी चोट होने से उनकी हालत गंभीर थी। शुरुआत में कुछ दिन मेडिकल कॉलेज अस्पताल और फिर इंदौर में इलाज कराया गया। जहां वेंटिलेटर सपोर्ट दिया गया, लेकिन बाद में वापस खंडवा अस्पताल भेज दिया। परिजनों की मानें तो इतने बड़े अस्पताल में न्यूरो सर्जन तक नहीं हैं, विशेषज्ञ होते तो समय पर इलाज होने से जान बच जाती। 17 दिन तक चले इलाज के बाद भी उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। खंडवा से इंदौर रेफर किया, तब तक हालत और बिगड़ चुकी थी।

पोस्टमार्टम का सामान परिजनों से मंगवाया: इधर, मेडिकल कॉलेज अस्पताल की मार्च्युरी में सुबह पोस्टमार्टम हुआ। इस दौरान पोस्टमार्टम का सामान स्टाफ ने परिजनों से मंगवाया। पूछने पर स्टाफ ने कहा कि पालीथीन, कपड़े और अन्य सामग्री परिवार वालों को ही लाकर देना होती हैं। ऐसा बहुत समय से चला आ रहा है। इसके बाद बाजार गए और करीब एक हजार रुपए का सामान खरीदकर मार्च्युरी स्टाफ को दिया।

CMHO बोले- सामान देने का नियम अस्पताल का: मामले में सीएमएचओ डॉ. ओपी जुगतावत का कहना है कि पोस्टमार्टम रूम का मैनेजमेंट जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज का है। शव परीक्षण के दौरान सभी संसाधन और सामग्री अस्पताल प्रबंधन द्वारा ही उपलब्ध कराई जाना चाहिए। यह नियम है। यदि सामग्री परिजनों से बुलवाई जाती है तो यह मानवीयता के खिलाफ भी है। शिकायत मिलती है तो जांच करके कार्रवाई की जाएगी।

21 साल बाद नेगेटिव रोल में लौट रहे अजय देवगन

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन की इस साल की शुरुआत में ही एक पिक्चर रिलीज हो चुकी है. फिल्म 'धमाल 4' को बॉक्स ऑफिस पर ठीक ठाक रिस्पॉन्स मिला था. पर अब बारी अगली फिल्मों की है. जिसका फिलहाल इंतजार हो रहा है. इस साल 'दृश्यम 3' के बाद 'रेंजर' को भी दिसंबर में रिलीज करने की प्लानिंग हो रही है. इसी बीच एक बड़ी पिक्चर पर अपडेट सामने आ रहा है. कहा जा रहा है कि अजय देवगन एक बार फिर डार्क और सुपरनेचुरल किरदार में दिखने वाले हैं. रोहित जुगराज की आने वाली हॉरर फिल्म 'गृह प्रवेश' में अजय देवगन एक ग्रे-शेज रोल करते हुए नजर आ सकते हैं.हाल ही में एक रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि साल 2005 में आई फिल्म 'काल' के लगभग 21 साल बाद अजय देवगन इस तरह के डार्क रोल में लौट रहे हैं. रिपोर्ट से पता लगा कि पहले इस फिल्म की पूरी शूटिंग यूनाइटेड किंगडम (च) में होनी थी, साथ ही इसे जुलाई में शुरू किया जाने वाला था. हालांकि, अजय देवगन के दूसरे प्रोजेक्ट्स की वजह से अब शूटिंग सितंबर से शुरू होगी. जिन प्रोजेक्ट्स की वजह से काम में देरी हुई है, उसमें- 'क्राइम पेट्रोल' शो की होस्टिंग और 'रेंजर' फिल्म की शूटिंग शामिल है.

अजय देवगन की अगली फिल्म पर अपडेट

दरअसल यह अजय देवगन और रोहित जुगराज का हॉरर जॉनर में दूसरा कोलैबोरेशन है. इससे पहले रोहित जुगराज ने 2003 की मशहूर हॉरर फिल्म 'भूत' में राम गोपाल वर्मा के साथ असिस्टेंट के तौर पर काम किया था. खैर, अब दोनों की अगली पिक्चर की शूटिंग जल्द ही शुरू हो जाएगी. शुरुआती शूटिंग मुंबई में बने एक खास सेट पर होगी, जिसे ब्रिटिश घर के इंटीरियर की तरह डिजाइन किया गया है. जिसके बाद टीम लंदन/यूके के लिए रवाना होगी.

क्या होगी फिल्म की कहानी?

अजय देवगन की अपकमिंग फिल्म को लेकर जानकारी मिल रही है कि इसकी कहानी प्राचीन संस्कृत ग्रंथ 'गरुड़ पुराण' से इंस्पायर्ड है. जो जीवन, मृत्यु, कर्म, आत्मा की यात्रा और पुनर्जन्म जैसे विषयों पर बात करता है. अजय देवगन का किरदार भटकी हुई आत्मा से जुड़ा होगा.

'काल' में कैसा था अजय का रोल?

दरअसल फिल्म 'काल' साल 2005 में आई थी, जिसे सोहम शाह ने लिखा और डायरेक्ट किया था. इसे करण जौहर और शाहरुख खान ने अपने बैनर धर्मा प्रोडक्शंस और रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले मिलकर प्रोड्यूस किया था. वहीं, फिल्म में अजय देवगन, जॉन अब्राहम, विवेक ओबेरॉय, ईशा देओल और लारा दत्ता ने काम किया था।

33 मिनट की विद्या बालन की 'नटखट' ने सिखाया पुरुष प्रधान सोच से अगली पीढ़ी को कैसे बचाएं, ऑस्कर 2021 में हुई शामिल

लड़कों को कुछ अधिकार जन्म के साथ ही मिल जाते हैं या यें कहें कि वो अधिकार उन्हें दे दिए जाते हैं। विद्या बालन की 'नटखट' पितृसत्ता, समाज में पुरुषवादी सोच के खिलाफ एक बेहतरीन फिल्म है। बचपन से ही लड़कों को ये कहा जाता है कि 'कोई बात नहीं जाने दो', 'लड़का है गलती हो गई', 'ये उसका काम थोड़ी है', 'लड़के तो ऐसे ही होते हैं'।

इन बातों का किसी भी लड़के पर क्या प्रभाव पड़ता है, इस फिल्म में वो दिखाया गया है। किसी भी लड़के की जिंदगी में पहली महिला उसकी मां होती है और इसी वजह से उसकी जिम्मेदारी थोड़ी ज्यादा बन जाती है कि वो पुरानी पीढ़ी के मर्दों की सोच से अपनी अगली पीढ़ी को बचा सके।33 मिनट की फिल्म 'नटखट' में एक 7 साल के बच्चे (सोनू) की कहानी है जिसमें विद्या बालन ने उसकी मां का किरदार निभाया है। फिल्म में पीढ़ियों से चली आ रही है पुरुषवादी सोच से विद्या बालन अपने बेटे को कैसे बचाती है और उसे समानता का गुण सिखाती है, ये फिल्म में दिखाया गया है।खाने के टेबल पर घर के सभी मर्द खाना खा रहे हैं, दादा, पिता और चाचा एक महिला अधिकारी के बारे में चर्चा चल रही हैं। 7 साल का सोनू इस बातचीत के बीच अपनी हाजिरी देने के लिए सुझाव देता है और अचानक कहता है कि अगर नहीं मान रही हैं तो उठवा दो। यह सुनकर सभी लोग हैरान हो जाते हैं लेकिन उसके दादा वही सदियों पुरानी बात का हवाला देते हुए कहते है- जाने दो लड़का है, कोई बात नहीं। ये बात भले ही खाने के टेबल से इस तरह नजरअंदाज कर दी जाती है लेकिन सोनू की मां(विद्या बालन) इसे इग्नोर नहीं कर पाती। सोनू रोजाना घर से बाहर देखता था कि कैसे उसकी उम्र से बड़े लड़के लड़कियों को लेकर क्या बातें करते हैं, सीटी बजाने से लेकर गालियां देना उन्हें काफी कूल लगता है। सोनू ये देखकर काफी अट्रैक्ट होता है। एक अच्छी परवरिश कैसे आपका जिंदगी को देखने का नजरिया बदल देती है, फिल्म में इसे गहराई से दिखाया गया है। टॉक्सिक मस्क्युलिनिटी, रेप कल्चर, जेंडर इनक्वालिटी, पितृसत्ता और पुरुषवादी सोच के खिलाफ विद्या बालन सोनू को एक कहानी सुनाती है, जिसे सुनकर सोनू सही गलत के फर्क को समझने की तरफ पहल करता है।

कंगना और तापसी में फिर छिड़ी जंग!

यह विवाद तापसी पन्नू के हालिया बयान से शुरू हुआ। एक इंटरव्यू में उनसे कंगना रनौत के साथ पुराने झगड़े के बारे में पूछा गया जिसके बाद एक्ट्रेस ने कहा कि उनकी राय उनकी परवरिश को दिखाती है। इसके बाद %क्लीन% एक्ट्रेस ने उन्हें सस्ती कॉपी बुलाया और उनकी परवरिश पर सवाल उठाया।अब कंगना रनौत के पोस्ट के बाद तापसी पन्नू ने दो टूक में उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया है। तापसी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा है, आखिरकार साबित हो गया। यूं तो एक्ट्रेस ने खुलकर मुद्दे का जिक्र या किसी का नाम नहीं लिया लेकिन लोग इसे कंगना के हालिया पोस्ट का जवाब मान रहे हैं।इंडिया टुडे के साथ बातचीत में तापसी ने कंगना संग अपने पुराने झगड़े के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था कि वह उस वक्त भी उनसे नहीं मिली थी और अभी नहीं मिली हैं। उन्होंने यह भी कहा था, उनके बारे में मेरी राय मेरी परवरिश, मेरे बात करने के तरीके और चीजों को देखने के मेरे नजरिए को दिखाती है और उनकी राय उनके नजरिए को। वह अपनी बात पर कायम हैं। इसलिए मुझे लगता है कि यह देखने और फैसले करने के लिए काफी है कि कौन कहां से आता है।

तापसी को कंगना ने बुलाया सस्ती कॉपी

तापसी पन्नू की ये बात सुनते ही कंगना रनौत का पारा चढ़ गया और परवरिश पर सवाल उठाने पर गुस्सा निकाला। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, एक सस्ती कॉपी अपनी आने वाली क्रू-ग्रेड फिल्म के प्रमोशन में लगी है, लेकिन हमेशा की तरह मीडिया में चर्चा का मुख्य विषय कंगना रनौत ही हैं। आज तो उन्होंने बेशर्मी की सारी हदें पार करते हुए मेरे माता-पिता और मेरी परवरिश का मजाक उड़ाया।

कंगना ने यह भी कहा कि वह कोशिश करती हैं कि वह कभी किसी के माता-पिता को न घसीटें लेकिन तापसी ने उनकी परवरिश पर सवाल उठाया। आगे कंगना ने कहा, आज मैं उसके माता-पिता से भी पूछना चाहती हूं कि वे मेरे माता-पिता की तरह किसी ओरिजिनल इंसान को जन्म क्यों नहीं दे पाए? क्यों एक सस्ती कॉपी?

संक्षिप्त समाचार

कर्ण शर्मा ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लिया

- भारत के लिए 4 मुकाबले खेले, 25 अगस्त को यूपी लीग में आखिरी मैच खेलेंगे

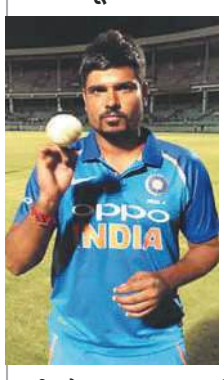

लखनऊ (एजेंसी)। 38 साल के लेग स्पिनर कर्ण शर्मा ने इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। उन्होंने भारत के लिए 1 टेस्ट, 2 वनडे और 1 टी-20 मैच खेला। कर्ण ने यूपी टी-20 लीग में कानपुर सुपरस्टार्स की ओर से खेलने के बाद यह फैसला लिया। वह 25 अगस्त को लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में मेरठ मेवरिक्स के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलेंगे।

- **2014 में तीनों फॉर्मेट में इंटरनेशनल डेब्यू** – मेरठ के कर्ण ने 2014 में तीनों फॉर्मेट में भारत के लिए डेब्यू किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में अपना इकलौता टेस्ट खेला। इस मैच की दोनों पारियों में उन्होंने 2-2 विकेट लिए। इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में उन्होंने एकमात्र टी-20 इंटरनेशनल खेला और जो रूट को आउट किया। 2104 में ही श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने दोनों वनडे खेले। इसके बाद कर्ण को 2015 में जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी चुना गया था, लेकिन चोट के कारण वह टीम से बाहर हो गए। इसके बाद उन्हें दोबारा भारत के लिए खेलने का मौका नहीं मिला।

वैभव सूर्यवंशी दलीप ट्रॉफी डेब्यू में 8 रन पर आउट

- 6 गेंद में 2 चौके लगाए, नॉर्थ ईस्ट जोन के बॉलर कोंथौजम ने आउट किया

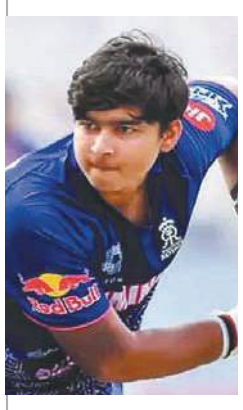

बेंगलुरु (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी दलीप ट्रॉफी डेब्यू में 8 रन बनाकर आउट हो गए। ईस्ट जोन की ओर से खेल रहे 15 साल के वैभव ने 6 गेंदों में 2 चौके लगाए। बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ईस्ट जोन और नॉर्थ ईस्ट जोन के बीच क्वार्टर फाइनल खेला जा रहा है। दलीप ट्रॉफी में 6 जोन की टीमें हिस्सा लेती हैं। इनमें ईस्ट, नॉर्थ ईस्ट, सेंट्रल, वेस्ट, साउथ और नॉर्थ जोन शामिल हैं।

- **वैभव ने लगातार दो गेंदों पर दो चौके लगाए** – वैभव ने लगातार दो गेंदों पर चौके लगाए। पहला चौका फ्लिक से मिडविकेट की ओर आया। अगली गेंद पर उन्होंने तेज कट शॉट लगाकर बाउंड्री हासिल की। इसके बाद एक डॉट बॉल खेली। अगली गेंद पर उन्होंने बिश्वोरजीत कोंथौजम के खिलाफ बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की। गेंद बल्ले का किनारा लेकर स्लिप में गई। यहां जोसेफ लालथनखुमा ने कैच पकड़ लिया।

भुवनेश्वर में भोपाल की पूजा ने जीता गोल्ड

- 1500 मीटर रेस 4 मिनट 17 सेकंड में पूरी की, हासिल किया पहला स्थान

भोपाल (एजेंसी)। साई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीआरसी) भोपाल की एथलीट पूजा ओला ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए भुवनेश्वर में आयोजित वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर इंडिया इवेंट में स्वर्ण पदक जीता है। 22 अगस्त को हुई 1500 मीटर दौड़ में पूजा ने 4 मिनट 17 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। पूजा ने शुरुआत से ही रेस में अपनी लय बनाए रखी। अंतिम चरण में उन्होंने रफ्तार बरकरार रखते हुए प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ा और स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

देवदत्त पडिक्कल ने लगातार दूसरे टेस्ट में भी शतक लगाया

नंबर-3 पर खत्म की भारत की टेंशन

ऋषभ पंत 3 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट, गिल फिफ्टी लगाकर आउट

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में भारत ने 4 विकेट पर 291 रन बनाए हैं। देवदत्त पडिक्कल ने लगातार दूसरे टेस्ट में शतक लगाया है। वह 117 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं रवींद्र जडेजा फिफ्टी के करीब थे। पडिक्कल ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 167 और दूसरी पारी में 44 रन बनाए थे। इससे पहले कप्तान शुभमन गिल 50 रन बनाकर आउट हुए। केएल राहुल 18 और यशस्वी जायसवाल 45 रन बनाकर पवेलियन लौटे थे। ऋषभ पंत 3 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। उन्हें लाहिरू कुमारा की शॉर्ट गेंद बाएं हाथ की कलाई पर लगी थी। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। गॉल में पहला टेस्ट 165 रन से जीतकर भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है।

संयम भरी पारी और कप्तान गिल के साथ अहम साझेदारी

पडिक्कल ने इस पारी में गजब का धैर्य और संयम दिखाया। उन्होंने बिना कोई जोखिम उठाए बेहद आराम से बल्लेबाजी की और 168 गेंदों का सामना करते हुए अपना शतक पूरा किया। अपनी इस शतकीय पारी के दौरान उन्होंने एक भी छक्का नहीं लगाया और 10 चौके जड़े। उन्होंने कप्तान शुभमन गिल के साथ मिलकर एक मजबूत साझेदारी निभाई, जिसकी बदौलत भारतीय टीम मैच में काफी मजबूत और संभली हुई स्थिति में पहुंच गई है। टीम इंडिया ने इस मैच में सिर्फ 66 रन पर अपने दो विकेट खो दिए थे। इसके बाद शुभमन गिल और देवदत्त पडिक्कल ने बीच तीसरे विकेट के लिए 120 रनों की अहम साझेदारी हुई।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत– यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, मानव सुथार, सारांश जैन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज।

श्रीलंका– लाहिरू उदारा, कामिल मिशारा, पसिंदु सोरियाबंदरा, काकामिंदु मेंडिस, धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला (डब्ल्यू), केशरा नुवानथा, प्रभात जयसूर्या, लाहिरू कुमारा, असिथा फर्नांडो।

कोलंबो टेस्ट में हाई-वोल्टेज ड्रामा

यशस्वी जायसवाल और असिथा फर्नांडो भिड़े, धक्का-मुक्की भी हुई

यशस्वी जायसवाल ने तीन चौके मारे थे – यशस्वी जायसवाल 17वें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए थे। उससे पहले ओवर की 5 गेंदों पर उन्होंने तीन चौके मार दिए थे। यही वजह है कि गेंदबाज विकेट लेने का बाद काफी उत्साहित था। यशस्वी ने 45 रनों की पारी खेली।

कोलंबो (एजेंसी)। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो के बीच भिड़ंत हो गई। कोलंबो में खेले जा रहे टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच के पहले दिन असिथा ने यशस्वी को आउट किया। यशस्वी अच्छी बैटिंग कर रहे थे और फिफ्टी की तरफ बढ़ रहे थे। राउंड द विकेट से अंदर आती गेंद उनके बल्ले पर टकराने के बाद विकेट से जा लगी। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो विकेट लेने के बाद काफी उत्साहित थे। यशस्वी पवेलियन की तरफ जा रहे थे लेकिन गेंदबाज ने कोई कमेंट कर दिया। यह सुनने के बाद वह वापस असिथा के पास पहुंच गए। दोनों आमने-सामने खड़े थे और एक-दूसरे को धक्का मारने की भी कोशिश की। इस बीच श्रीलंका के अन्य खिलाड़ी आ गए और दोनों को अलग किया।

नंबर-3 की पुरानी समस्या हुई हल

पिछले काफी समय से भारतीय टेस्ट टीम नंबर-3 के स्थान पर एक ऐसे भरोसेमंद बल्लेबाज की तलाश में थी, जो तेज और स्पिन गेंदबाजी दोनों का मजबूती से सामना कर सके। पडिक्कल ने लगातार दो शतकों के साथ इस समस्या को लगभग पूरी तरह से सुलझा दिया है। जिस तरह से वे स्पिन और पेस अटैक के खिलाफ आसानी से रन बना रहे हैं, उससे उन्होंने तीसरे नंबर पर अपनी जगह काफी हद तक पक्की कर ली है।

साई सुदर्शन जैसे दावेदारों की बढ़ी मुश्किलें

पडिक्कल के इस निरंतर शानदार प्रदर्शन ने उन खिलाड़ियों के लिए राह कठिन कर दी है जो लंबे समय से नंबर-3 की रेस में बने हुए थे। इनमें सबसे प्रमुख नाम साई सुदर्शन का है। गौरतलब है कि साई सुदर्शन के चोटिल होने के बाद ही देवदत्त पडिक्कल को भारतीय टेस्ट स्क्वॉड में शामिल होने का मौका मिला था। अब पडिक्कल के इस धमाकेदार प्रदर्शन के बाद सुदर्शन के लिए वापसी करना एक बड़ी चुनौती बन गया है।

- **पंत रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर गए** – लाहिरू कुमारा की बाउंसर पर ऋषभ पंत के बाएं हाथ की कलाई के पास गेंद लगी। चोट के बाद मैदान पर उनका इलाज किया गया और कलाई पर टेप भी बांधी गई, लेकिन दर्द के कारण पंत को मैदान छोड़ना पड़ा। पंत रिटायर्ड हर्ट हुए और उनकी जगह रवींद्र जडेजा बल्लेबाजी के लिए आए।
- **गिल तीन हजार टेस्ट रन पूरे करने वाले चौथे यंग प्लेयर** – शुभमन गिल भारत के लिए टेस्ट में 3,000 रन पूरे करने वाले सबसे युवा बल्लेबाजों की लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं। उन्होंने 26 साल 349 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की।

एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय तैराकी टीम का ऐलान

वेदांत माधवन समेत 12 खिलाड़ियों को मिली जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 के लिए भारत की 12 सदस्यीय तैराकी टीम का ऐलान कर दिया गया है। टीम में अभिनेता आर. माधवन के बेटे और युवा तैराक वेदांत माधवन के साथ-साथ दो बार के ओलंपियन श्रीहरि नटराज और साजन प्रकाश जैसे अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय तैराकी टीम जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स में 12 साल बाद पदक जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेगी।

वेदांत माधवन इन तीन स्पर्धाओं में लेंगे हिस्सा – 21 वर्षीय वेदांत माधवन पुरुषों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल और 200 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धाओं में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्हें 4×200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले टीम में भी शामिल किया गया है। जून में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में वेदांत ने 200 मीटर फ्रीस्टाइल फाइनल में 1 मिनट 53.89 सेकंड का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय दर्ज करते हुए चौथा स्थान हासिल किया था।

श्रीहरि और साजन संभालेंगे अनुभव का मोर्चा – दो बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके श्रीहरि नटराज पुरुषों की 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में उतरेंगे। श्रीहरि टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक का हिस्सा रह चुके हैं। वहीं, रियो 2016 और टोक्यो 2020 ओलंपिक में खेल चुके साजन प्रकाश पुरुषों की 100 और 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगे। दोनों अनुभवी तैराकों से टीम को बड़े मंच पर काफी उम्मीदें होंगी।

20 से 25 सितंबर तक होगी तैराकी प्रतियोगिता

एशियन गेम्स 2026 में तैराकी प्रतियोगिताएं 20 से 25 सितंबर तक टोक्यो एक्वाटिक्स सेंटर में खेली जाएंगी। भारतीय टीम में युवा और अनुभवी तैराकों का अच्छा संतुलन देखने को मिला है। वेदांत, श्रीहरि और साजन के अलावा आर्यन नेहरा और रोहित बेनेडिक्टन जैसे रिकॉर्डधारी तैराक भी टीम का हिस्सा हैं।

एशियन गेम्स 2026 के लिए भारत की 12 सदस्यीय तैराकी टीम

- **रोहित बेनेडिक्टन** – 50 मीटर बटरफ्लाई, 100 मीटर बटरफ्लाई, 100 मीटर फ्रीस्टाइल, 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले, 4×100 मीटर मेडले रिले
- **ऋषभ दास** – 50 मीटर बैकस्ट्रोक, 100 मीटर बैकस्ट्रोक, 4×100 मीटर मेडले रिले
- **वेदांत माधवन** – 200 मीटर बैकस्ट्रोक, 200 मीटर फ्रीस्टाइल, 4×200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले
- **आकाश मणि** – 50 मीटर फ्रीस्टाइल, 100 मीटर फ्रीस्टाइल, 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले, 4×100 मीटर मेडले रिले
- **श्रीहरि नटराज** – 50 मीटर बैकस्ट्रोक
- **आर्यन नेहरा**– 800 मीटर फ्रीस्टाइल, 1500 मीटर फ्रीस्टाइल
- **उत्कर्ष संतोष पाटिल** – 100 मीटर बैकस्ट्रोक, 200 मीटर बैकस्ट्रोक
- **साजन प्रकाश** – 100 मीटर बटरफ्लाई, 200 मीटर बटरफ्लाई
- **हीर गितेश शाह** – 50 मीटर फ्रीस्टाइल, 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले
- **धवशन शशिकुमार** – 400 मीटर फ्रीस्टाइल, 4×200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले
- **अनीश सुनील कुमार गौड़ा** – 200 मीटर फ्रीस्टाइल, 400 मीटर फ्रीस्टाइल, 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले, 4×200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले
- **दनुष सुरेश** – 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक, 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक, 4×100 मीटर मेडले रिले।

सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में गॉफ और पेगुला आमने-सामने होंगी

ओहियो (एजेंसी)। कोको गॉफ और जेसिका पेगुला सिनसिनाटी ओपन 2026 के फाइनल में आमने-सामने होंगी। यह 56 सालों में पहला ऐसा मौका है जब महिला टेनिस फाइनल में दो अमेरिकी खिलाड़ी भिड़ेंगी। ये दोनों खिलाड़ी पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में महिला युगल मुकाबले में एक साथ खेली थीं (दूसरे राउंड में हार गई थीं) और अब रविवार (23 अगस्त) को खिताब के लिए एक-दूसरे का सामना करेंगी।

शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में चौथी सीड गॉफ ने बिना सीडिंग वाली चेक खिलाड़ी सारा बेजलेक को 76 मिनट तक चले मुकाबले में 6-4, 6-1 से हराया। गॉफ ने पहले सेट में 4-1 की बढ़त बना ली थी, लेकिन बेजलेक ने स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। हालांकि, दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन गॉफ ने फिर से सर्विस ब्रेक करके सेट अपने नाम किया और दूसरे सेट में भी बढ़त बनाए रखी, क्योंकि उनकी प्रतिद्वंद्वी से कई गलतियां हो रही थीं।

20 साल की बेजलेक ने टूर्नामेंट में इससे पहले दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका और मैडिसन कीज को हराकर अपने करियर का पहला डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल खेला था। इससे पहले दिन में तीसरी सीड पेगुला ने इगा स्वियातेक को 7-5, 4-6, 6-4 से हराकर उनके खिताब बचाने के अभियान को खत्म कर दिया। मैच की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी (ब्रेक किया), लेकिन फिर बारिश के कारण खेल 1-1 के स्कोर पर रोकना पड़ा। खेल दोबारा शुरू होने पर, 5-5 के स्कोर पर स्वियातेक ने डबल-फॉल्ट किया और फिर एक आसान स्मैश शॉट चूक गईं, जिससे पेगुला ने पहला सेट अपने नाम कर लिया।

स्वियातेक ने वापसी करते हुए दूसरा सेट जीता और निर्णायक सेट में 3-1 की बढ़त बना ली, लेकिन पेगुला ने संघर्ष करते हुए स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। इसके बाद उन्होंने अगले गेम में स्वियातेक की सर्विस तोड़ी और मैच जीत लिया। मैच के बाद पेगुला ने कहा, यह वाकई एक मुश्किल मैच था। वह (स्वियातेक) शानदार फॉर्म में हैं। इगा जैसी बेहतरीन एथलीट को सेमीफाइनल में हराना और एक और 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाना, बहुत शानदार है। सिनसिनाटी का पिछला फाइनल दो अमेरिकी महिलाओं के बीच 1970 में हुआ था, जब रोजी कैसल्स ने जीत हासिल की थी।

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को दूसरा टेस्ट दो दिन में हराया

मैकॉय में पारी और 51 रन से जीता, स्टार्क ने 10 विकेट लिए

मैकॉय (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने मैकॉय में खेले गए दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश को पारी और 51 रन से हरा दिया। इसके साथ ही दो टेस्ट की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। डार्विन में पहला टेस्ट 9 विकेट से हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे मुकाबले में शानदार वापसी की। यह टेस्ट दो दिन में ही खत्म हो गया। ऑस्ट्रेलिया की जीत के हीरो मिचेल स्टार्क रहे। उन्होंने मैच में 10 विकेट लिए। स्टार्क ने पहली पारी में 6 और दूसरी पारी में 4 विकेट लिए। यह उनके टेस्ट करियर का चौथा 10 विकेट हॉल है। स्टार्क को प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज चुना गया। बांग्लादेश पहली पारी में सिर्फ 64 रन पर ऑलआउट हो गया था। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 210 रन बनाए। उसे 146 रन की बढ़त मिली। दूसरी पारी में भी बांग्लादेश की टीम 95 रन पर सिमट गई।

स्टार्क ने दूसरी पारी में भी 4 विकेट लिए – 146 रन की बढ़त के बाद बांग्लादेश के सामने मैच बचाने की चुनौती थी। लेकिन स्टार्क ने नई गेंद से एक बार फिर लगातार विकेट लिए। उन्होंने शादमान इस्लाम और मोमिनुल हक को लगातार गेंदों पर आउट किया। इसके बाद पैट कमिंस ने तंजीद हसन को आउट किया।

- **शोरिफुल का बांग्लादेश के लिए टेस्ट में बेस्ट बॉलिंग परफॉर्मेंस** – बांग्लादेश के तेज गेंदबाज शोरिफुल इस्लाम ने भी शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने पहली पारी में 48 रन देकर 7 विकेट लिए। यह टेस्ट में किसी बांग्लादेशी तेज गेंदबाज का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। उन्होंने शाहदत हुसैन का रिकॉर्ड तोड़ा। शाहदत ने 2008 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 27 रन देकर 6 विकेट लिए थे। शोरिफुल का यह प्रदर्शन विदेशी जमीन पर किसी बांग्लादेशी गेंदबाज का भी बेस्ट प्रदर्शन है।

- **ग्रीन और लायन ने ऑस्ट्रेलिया को 210 तक पहुंचाया** – ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन 165/8 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। कैमरन ग्रीन 51 रन बनाकर नाबाद थे और नाथन लायन 10 रन पर खेल रहे थे। दोनों ने नौवें विकेट के लिए 38 रन जोड़े। ग्रीन ने 67 रन की पारी खेली। लायन 32 रन बनाकर नाबाद रहे।
- **पहले दिन गिरे थे 18 विकेट** – मैच के पहले दिन दोनों टीमों के 18 विकेट गिरे थे। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। स्टार्क ने मैच की पहली ही गेंद पर शादमान इस्लाम को आउट कर दिया था। उन्होंने पहली पारी में 6 विकेट लिए। इसके बाद शोरिफुल इस्लाम ने भी 6 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को परेशान किया। बांग्लादेश 64 रन पर ऑलआउट हुआ था।

स्टार्क डब्ल्यूटीसी के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने अपने साथी खिलाड़ी और कप्तान पैट कमिंस और स्पिनर नाथन लियोन को पीछे छोड़ते हुए आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज का रिकॉर्ड अपने नाम किया। स्टार्क ने यह उपलब्धि मैके में बांग्लादेश के खिलाफ अपनी टीम के दूसरे टेस्ट मैच के दौरान हासिल की। ??डार्विन में मिली निराशाजनक हार (जो घरेलू मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की पहली हार थी) के बाद स्टार्क ने जबरदस्त वापसी करते हुए कुल 10 विकेट लिए। उन्होंने पहली पारी में 6/12 और दूसरी पारी में 4/39 के आंकड़े दर्ज किए। अब स्टार्क डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनके नाम 24.25 की औसत से 234 विकेट हैं, जिसमें 11 बार चार विकेट और आठ बार पांच विकेट लेने का कमाल शामिल है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/58 रहा है। उन्होंने कमिंस और लियोन को पीछे छोड़ दिया है जिनके नाम 228-228 विकेट हैं। ये तीनों ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ही डब्ल्यूटीसी के इतिहास में 200 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

स्टार्क ने दो मैचों में 12 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीता। वह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 साइकल में भी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 10 मैचों में 16.98 की औसत से 58 विकेट लिए हैं, जिसमें एक बार चार विकेट और चार बार पांच विकेट लेने का कारनामा शामिल है। इस मैच के दौरान उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के डेल स्टेन को पीछे छोड़ते हुए अब तक के टॉप 10 टेस्ट विकेट-टेकरों की सूची में भी जगह बनाई; अब उनके नाम 445 टेस्ट विकेट हैं। घरेलू मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की पहली हार के पीछे खराब ऑल-राउंड प्रदर्शन का हाथ था। इसके बाद गेंदबाजी ग्रुप, खासकर स्टार्क ने जबरदस्त वापसी की और ऑस्ट्रेलियाई तेवर दिखाए।

मप्र में मलेरिया पर 10 साल में 98 प्रतिशत तक काबू

फिर भी 7 महीने में 583 केस; बालाघाट बना हॉटस्पॉट

भोपाल। मध्यप्रदेश में मलेरिया के मामलों में पिछले एक दशक में भारी गिरावट आई है, लेकिन संक्रमण पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। इस साल जनवरी से जुलाई तक प्रदेश में 583 मलेरिया पॉजिटिव केस सामने आए हैं। इनमें अकेले बालाघाट में 174 मामले दर्ज हुए, जो कुल मामलों का करीब 30 प्रतिशत है। इसके बाद छिंदवाड़ा में 76, श्योपुर में 39, डिंडोरी में 38-39, झाबुआ में 31, सतना में 27 और नीमच में 20 मामले सामने आए हैं। आंकड़ों से साफ है कि अब मलेरिया का खतरा पूरे प्रदेश में समान नहीं है, बल्कि कुछ खास जिलों और वन एवं आदिवासी क्षेत्रों में ज्यादा केंद्रित है। स्वास्थ्य विभाग के डिप्टी डायरेक्टर

हिमांशु जसवार के मुताबिक मलेरिया नियंत्रण में पिछले कुछ वर्षों में सफलता मिली है। मामलों में आई बड़ी कमी सर्विलांस, समय पर जांच-उपचार और मच्छर नियंत्रण गतिविधियों के असर को दिखाती है। हालांकि जिन क्षेत्रों में अभी मामले मिल रहे हैं, वहां निगरानी और नियंत्रण गतिविधियां जारी हैं। जुलाई में ही 248 केस, बालाघाट में 102 सिर्फ जुलाई में प्रदेश में 248 मलेरिया पॉजिटिव केस मिले। इनमें बालाघाट के 102, छिंदवाड़ा के 24 और श्योपुर के 19 मामले शामिल हैं। यानी जुलाई में सामने आए कुल मामलों में बालाघाट की हिस्सेदारी करीब 41 प्रतिशत रही। मानसून के दौरान मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनने से इन इलाकों में आने वाले महीनों में निगरानी और बढ़ाने की जरूरत है। 2025 में भी सबसे बड़ा हॉटस्पॉट था बालाघाट पिछले साल भी बालाघाट मलेरिया के मामलों में प्रदेश में सबसे आगे था। 2025 में जिले में 695 केस दर्ज हुए थे, जो प्रदेश के कुल 2,126 मामलों का लगभग एक-तिहाई थे। इसके बाद झाबुआ में 441, छिंदवाड़ा में 135, नीमच में 120, सतना में 95 और नरसिंहपुर में 89 मामले सामने आए थे। यानी बालाघाट लगातार दूसरे साल भी सबसे अधिक प्रभावित जिलों में बना हुआ है। 10 साल में मामलों में बड़ी गिरावट मलेरिया नियंत्रण की लंबी अवधि की तस्वीर देखें तो प्रदेश में मामलों में करीब 98 प्रतिशत की गिरावट आई है। 2015 में 1,00,597 मामले दर्ज हुए थे। इसके बाद 2016 में 69,106, 2017 में 47,441 और 2018 में 22,279 मामले सामने आए। 2019 में संख्या घटकर 14,147, 2020 में 6,760, 2021 में 3,181, 2022 में 3,824, 2023 में 3,794 और 2024 में 3,247 रह गई। 2025 में यह संख्या और घटकर 2,126 हो गई।

फाल्सीपेरम के मामले भी घटे

मलेरिया के गंभीर रूप फाल्सीपेरम के मामलों में भी बड़ी गिरावट दर्ज हुई है। 2015 में इसके 39,325 मामले थे, जो 2025 में घटकर 1,146 रह गए। इसी तरह विवैक्स के मामले 61,472 से घटकर 937 रह गए। फाल्सीपेरम में 97 प्रतिशत से ज्यादा की कमी के बावजूद 2025 में एक हजार से अधिक मामले सामने आना बताता है कि संक्रमण पर पूरी तरह नियंत्रण अभी बाकी है।

बालाघाट में बच्चों की जांच में मलेरिया के संकेत

बालाघाट में बच्चों की मौत के बाद आईसीएमआर की जांच में प्रभावित क्षेत्रों से लिए गए 83 नमूनों में 21 में खसरे के संकेत मिले। वहीं 16 बच्चों की जांच में 9 मलेरिया पॉजिटिव पाए गए। क्षेत्र में पिछले दो-तीन वर्षों से टीकाकरण कवरेज करीब 50 से 60 प्रतिशत रहने की बात सामने आई है। स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में विशेष टीकाकरण अभियान शुरू किया है। अधिकारियों के अनुसार कुपोषण और पोषण की कमी से बच्चों की संक्रमण से लड? की क्षमता प्रभावित होती है।

नौ जिलों में अब तक एक भी केस नहीं

जुलाई तक प्रदेश के नौ जिलों में मलेरिया का एक भी पॉजिटिव केस दर्ज नहीं हुआ। इनमें बुरहानपुर, देवास, नर्मदापुरम, हरदा, राजगढ़, विदिशा, उमरिया, निवाड़ी और पांढुर्णा शामिल हैं। इससे संकेत मिलता है कि प्रदेश में मलेरिया अब व्यापक संक्रमण के बजाय कुछ सीमित क्षेत्रों में ज्यादा केंद्रित है।

खाद की किल्लत से ज्यादा उठाव का सवाल

15 जिलों में जांच से खुलेगा स्टॉक का राज

भोपाल। मध्यप्रदेश में रबी सीजन शुरू होने से पहले खाद के अग्रिम उठाव ने सरकार और कृषि विभाग की चिंता बढ़ा दी है। महज 13 दिनों में कुछ जिलों में पिछले साल की तुलना में 8 से 9 गुना तक अधिक खाद उठाए जाने का मामला सामने आने के बाद अब पूरे वितरण तंत्र की जांच की तैयारी है। शासन ने ऐसे 15 जिलों को चिन्हित किया है, जहां खाद उठाव का पैटर्न सामान्य से काफी अलग मिला है। यह मामला उस समय सामने आया, जब 29 जुलाई के बाद ई-टोकन व्यवस्था बंद कर खाद का वितरण सीधे शुरू किया गया। इसके बाद 14 से 17 अगस्त के बीच खाद के स्टॉक और उठाव का मिलान किया गया। आंकड़ों की तुलना में सामने आया कि कुछ जिलों में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले इस बार कई गुना अधिक खाद उठाई गई।
सबसे बड़ा अंतर छतरपुर में सामने आया। पिछले साल जहां करीब 255 मीट्रिक टन खाद का उठाव हुआ था, वहीं इस बार महज 12 दिनों में करीब 2500 मीट्रिक टन खाद उठाई गई। इसी तरह अशोकनगर, गुना, जबलपुर, रायसेन, सिवनी, देवास, सतना, धार और शिवपुरी में भी खाद उठाव कई गुना अधिक मिला है। आगर-मालवा, सीहोर, इंदौर, मंदसौर और बैतूल जैसे जिलों में भी पिछले साल की तुलना में करीब आठ गुना तक अधिक उठाव दर्ज किया गया। इन आंकड़ों ने सबसे बड़ा सवाल यही खड़ा किया है कि अचानक इतनी बड़ी मात्रा में खाद किसने उठाई और उसका इस्तेमाल कहां हुआ। कलेक्टरों की निगरानी में होगी जांच खाद उठाव के इस असामान्य पैटर्न की जांच अब संबंधित जिलों के कलेक्टरों की निगरानी में कराई जाएगी। इसके लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं और सोमवार से जांच शुरू होने की बात कही गई है। जांच में मार्कफेड के केंद्रों, पैक्स और खाद वितरण समितियों के रिकॉर्ड का मिलान किया जाएगा। खाद उठाने वाले किसानों की पहचान भी जांच का अहम हिस्सा होगी। विभाग यह पता लगाएगा कि रिकॉर्ड में जिन लोगों के नाम पर खाद उठाई गई, वे वास्तविक किसान हैं या उनके नाम का इस्तेमाल किसी व्यापारी या बिचौलिये ने किया।

क्या खाद की वास्तविक खपत बढ़ी या व्यवस्था में सेंध लगी?

जांच के सामने सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही होगा कि खाद का असामान्य उठाव वास्तविक किसानों की अग्रिम जरूरत के कारण हुआ या वितरण व्यवस्था का फायदा उठाकर किसी स्तर पर स्टॉक को दूसरी दिशा में भेजा गया। सरकार ने रबी सीजन को देखते हुए किसानों को पहले से खाद उपलब्ध कराने की व्यवस्था शुरू की है। ऐसे में बड़ी मात्रा में अग्रिम उठाव पूरी तरह असामान्य नहीं माना जा सकता।

प्रदेश में खाद का स्टॉक पर्याप्त

खाद को लेकर कुछ जिलों में विरोध और किसानों की चिंता के बीच विभाग का दावा है कि प्रदेश में फिलहाल पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में करीब 4.35 लाख मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। पिछले साल इसी अवधि में करीब 1.56 लाख मीट्रिक टन यूरिया स्टॉक में था। इसी तरह एनपीके और डीएपी का संयुक्त स्टॉक करीब 4.40 लाख मीट्रिक टन बताया गया है।

रबी में बढ़ जाती है खाद की मांग

रबी सीजन में गेहूं और चने की बुवाई के कारण खाद की मांग खरीफ की तुलना में अधिक रहती है। पिछले वर्ष खरीफ सीजन में करीब 28 लाख मीट्रिक टन खाद वितरित हुई थी, जबकि रबी सीजन में कुल खपत करीब 39 लाख मीट्रिक टन रही थी। इसमें लगभग 20 लाख टन यूरिया और 9 लाख टन डीएपी शामिल था। अक्टूबर से दिसंबर के पीक सीजन में खाद के लिए किसानों की लंबी कतार और अचानक पैदा होने वाली किल्लत से बचने के लिए सरकार ने अग्रिम उठाव की व्यवस्था शुरू की है।

दुग्ध उत्पादन में बनेगा मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य : मुख्यमंत्री

जिला और संभाग स्तर पर होंगे कृषि नवाचार संवाद

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि संकाय के विद्यार्थियों, किसानों और कृषि स्टार्ट-अप प्रतिनिधियों से किया संवाद
- रवीन्द्र भवन में हुआ कृषि नवाचार संवाद कार्यक्रम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि युवा शक्ति को उन्नत खेती से जोड़ने, किसानों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादों के निर्यात पर राज्य सरकार विशेष ध्यान दे रही है। बदलते दौर में खेती का भी समय बदला है। नई तकनीक और नई फसलों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। युवाओं को अपनी जड़ों से जुड़ा रहना आवश्यक है। युवा कृषि संकाय की पढ़ाई कर अपने लिए भविष्य के लिए नए रास्ते बनाएं। किसान, वेयरहाउस, पॉली हाउस स्थापित करें। मध्यप्रदेश में दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) के साथ एमओयू किया गया है। राज्य सरकार मध्यप्रदेश को दुग्ध उत्पादन में अग्रणी राज्य बनाना चाहती है। दुग्ध उत्पादन किसानों की आय बढ़ाने में विशेष रूप से सहायक है। राज्य सरकार के प्रयासों से किसानों को अब दूध के दाम 8 से 10 रुपए प्रति लीटर अधिक मिलने लगे हैं। प्रदेश में प्रतिवर्ष एक लाख गिर नस्ल की बछिया तैयार करने की योजना शीघ्र ही क्रियान्वित की जाएगी, इससे दुग्ध उत्पादन बढ़ेगा। पशुपालकों को उन्नत नस्लें उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना की शुरूआत की है। किसान खेती के माध्यम से कई लोगों को आजीविका का साधन उपलब्ध करता है और प्रकृति की सेवा भी करता है। किसान का हित राज्य सरकार के लिए सर्वोपरि है।

युवा कृषि की नई तकनीक अपनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में सिंचाई का रकबा तेजी से बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने अगले 5 साल में सिंचाई का रकबा बढ़ाकर 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। हमारी कोशिश है कि हर गांव तक स्वच्छ पेयजल और हर खेत तक सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो जाए। उन्होंने कहा कि हजारों सालों से हमारी पहचान कृषि प्रधान देश की है। राज्य सरकार खेती में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए हर प्रकार से मदद कर रही है। प्रदेश के विश्वविद्यालयों में कृषि संकाय की पढ़ाई शुरू करवाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश को कृषि क्षेत्र में समृद्ध बनाने के लिए संभाग और जिलास्तर पर कृषि नवाचार संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राकृतिक और जैविक खेती से जुड़ने के लिए युवाओं को प्रेरित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को फसल के लिए एमएसपी पर उचित मूल्य मिले, इसके लिए राज्य सरकार निरंतर किसान हितैषी निर्णय ले रही है।

खेती को लाभ का व्यवसाय बनाना हमारा लक्ष्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आय बढ़ाने के उद्देश्य से युवाओं को बहुफसलीय खेती करने, कृषि के साथ पशुपालन, मत्स्य पालन, बकरी पालन और मुर्गी पालन अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किसान कृषि यंत्रों की नई तकनीक को आत्मसात करते हुए नवाचारी तरीकों को आगे बढ़ाएं। पहले किसान एक फसल लेकर काम चलाते थे, अब दो से तीन फसलें लेने और वैकल्पिक खेती से किसानों की आय बढ़ी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों के प्रति प्रतिबद्धता से निर्णय लेते हुए कृषक कल्याण वर्ष की शुरूआत की है।

कृषि क्षेत्र में नवाचार पर हुआ संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से कृषि संकाय के विद्यार्थियों, कृषि क्षेत्र में नवाचार कर रहे उद्यमियों और कृषकों ने संवाद किया। इसके अंतर्गत उद्यानिकी फसलों, मोती और मशरूम, एवाकाडो, सोना मोती गेहूं की खेती, पॉली हाऊस, मधुमक्खी पालन, जैसे नवाचारों, कृषि तकनीक पर विकसित एप, शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों आदि पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खेत-खलिहान से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए युवाओं को सकारात्मकता के साथ कृषि क्षेत्र में गतिविधियां संचालित करने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पहले बंगाल से मछली का बीज मध्यप्रदेश लाकर मछुआरे भाई उत्पादन करते थे। प्रदेश में तालाब और जलाशयों की संख्या पर्याप्त संख्या है।

प्रदेश में युवाओं को कृषि और कृषि आधारित उद्यमिता से जोड़ने की मुहिम जारी

खेल, युवा कल्याण एवं सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि विकसित भारत के लिए मूल आधार कृषि ही है। भारत को कृषि प्रधान देश कहा जाता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने चार वर्गों- गरीब, किसान, युवा और नारी के कल्याण की बात कही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि और किसान को समृद्धशाली बनाने के लिए यह वर्ष कृषक कल्याण को समर्पित किया है। प्रदेश में युवाओं को कृषि और कृषि आधारित उद्यमिता से जोड़ने की मुहिम जारी है। युवा ही परिवर्तन का आधार बनते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वर्णिम मध्यप्रदेश और विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए कदम से कदम मिलाकर चल रहे हैं। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालयों के विद्यार्थी, कृषि महाविद्यालयों के फैकल्टी मेंबर, कृषि वैज्ञानिक, कृषि स्टार्टअप प्रतिनिधि, युवा सरपंच, कृषि शोधकर्ता, कृषि क्षेत्र में नवाचारों के साथ कार्य करने वाले युवा साथी और कृषि प्रभावक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नौरादेही टाइगर रिजर्व के आसपास से गुजरेगा नया फोरलेन

- 1,486 करोड़ की लागत से बनेगा ग्रीनफील्ड फोरलेन; एमपीआरडीसी तैयार कर रही डीपीआर

भोपाल। सागर और जबलपुर के बीच सडक कनेक्टिविटी को बेहतर करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार नया फोरलेन मार्ग विकसित करने की तैयारी में है। करीब 1,486 करोड़ रूपए की अनुमानित लागत वाले इस ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद दोनों शहरों के बीच दूरी करीब 135 किलोमीटर रह जाने का अनुमान है। इससे सागर से जबलपुर का सफर मौजूदा 4-5 घंटे के मुकाबले घटकर करीब ढाई से तीन घंटे हो सकता है। फिलहाल सागर से जबलपुर जाने के लिए सागर-दमोह-जबलपुर मार्ग सबसे अधिक इस्तेमाल होता है। इसके अलावा एनएच-44 के राजमार्ग चौराहे से होकर भी जबलपुर

पहुंचा जा सकता है। सागर से रहली होते हुए जबलपुर जाने वाला मार्ग दूरी के लिहाज से छोटा है, लेकिन नौरादेही टाइगर रिजर्व के कारण इस हिस्से में सडक संकरी है और वाहनों की गति भी सीमित रहती है। प्रस्तावित फोरलेन के लिए फिलहाल अंतिम रूट तय नहीं हुआ है। हालांकि मौजूदा प्रारंभिक योजना के मुताबिक इसके रहली या उसके आसपास से होकर गुजरने की संभावना है। सागर-रहली-तेंदूखेड़ा होते हुए जबलपुर की वर्तमान दूरी करीब 154 किलोमीटर बताई जा रही है। नए मार्ग से यह दूरी करीब 135 किलोमीटर तक सिमट सकती है।

एमपीआरडीसी तैयार कर रही डीपीआर

इस परियोजना की जिम्मेदारी मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एमपीआरडीसी) को दी गई है। ग्रीनफील्ड पैकेज के तहत प्रस्तावित मार्ग की डीपीआर तैयार की जा रही है। इसमें नए रूट अलाइनमेंट के साथ चौराहों, तिराहों और जरूरत के अनुसार फ्लाईओवर जैसी सुविधाओं की भी योजना पर विचार किया जा रहा है। परियोजना की अनुमानित लागत करीब 1,486 करोड़ रूपए है। इसमें लगभग 1,229 करोड़ रूपए सिविल वर्क, करीब 40 करोड़ रूपए भूमि अधिग्रहण और लगभग 30 करोड़ रूपए शिफ्टिंग तथा अन्य कार्यों पर खर्च होने का अनुमान है।

पंचायत विभाग में ईई की सीआर लिख रहे एई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशा पर पदोन्नति के मामले में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग खरा नहीं उतरा है। यही वजह है कि पदोन्नति के बाद भी कई अधिकारियों के बाद अभी भी उच्च पद का प्रभार है। मूल पद के अनुसार वे जूनियर होकर भी सीनियर की सीआर लिख रहे हैं। इतना ही नहीं कर्मचारियों की पदोन्नति में भी रुचि नहीं ले रहे हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधीन ग्रामीण यांत्रिकीय सेवा (आरईएस) के रीवा संभाग के अधीक्षक यंत्री छोटे सिंह की पदस्थापना इन दिनों विवादों में है। छोटे सिंह का मूल पर सहायक यंत्री है, लेकिन वे दो पद ऊपर अधीक्षक यंत्री का काम देख रहे हैं। इस वजह से रीवा संभाग में आरईएस में पदस्थ अन्य कार्यपालन यंत्री भी उनके नियंत्रण में आते हैं। सीधी में पदस्थ कार्यपालन यंत्री का मूल पद कार्यपालन यंत्री है। लेकिन उनकी सीआर सहायक यंत्री छोटे सिंह द्वारा लिखी जा रही है। इस विसंगति की वजह से विभाग में इंजीनियरों में नाराजगी है। जांच की वजह से लिफाफा बंद, पदोन्नति अटकी आरईएस रीवा के प्रभारी अधीक्षण यंत्री को विभाग ने मूल पद सहायक यंत्री के विरुद्ध दो पद ऊपर का प्रभार दे रखा है। जबकि छोटे सिंह का लिफाफा बंद होने की वजह से पदोन्नति नहीं पाई है। उनके खिलाफ शिकायत की जांच जारी है।

निगम-मंडल कर्मचारियों की मांगों पर 15 दिन में निर्णय की अपील

भोपाल। निगम, मंडल, बोर्ड और परिषद के कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर मध्यप्रदेश निगम मंडल अधिकारी-कर्मचारी संयोजक अनिल बाजपेई और कार्यवाहक अध्यक्ष अरुण वर्मा ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। इसमें कर्मचारियों की सेवा शर्तों में एकरूपता लाने और लंबित मांगों पर 15 दिन के भीतर निर्णय लेने की अपील की गई है। ज्ञापन में निगम, मंडल, बोर्ड और परिषद के कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु एक समान करने तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 64 वर्ष किए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई गई है। इसके साथ ही सभी कर्मचारियों को सातवां वेतनमान देने की मांग भी की गई है। कर्मचारी नेताओं ने नियमित पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू करने, लंबे समय से कार्यरत दैनिक वेतनभोगी और श्रमिक कर्मचारियों को नियमित करने की मांग रखी है। आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्य कर रहे कर्मचारियों को भी उनकी योग्यता और अनुभव के आधार पर रिक्त पदों पर नियुक्त करने की मांग की गई है। ज्ञापन में कर्मचारियों के लिए वाहन भत्ता 25 प्रतिशत करने तथा सरकारी वाहनों के दुरुपयोग पर रोक लगाने की मांग भी शामिल है। कर्मचारी नेताओं का कहना है कि निगम-मंडल, बोर्ड और परिषदों में कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों को उनके मूल विभाग से अलग लंबे समय तक अन्य स्थानों पर पदस्थ रखने से संबंधित संस्थाओं के कामकाज पर असर पड़ता है।

राज्य बजट से अग्रिम खर्च पर रोक

- केंद्र की देरी का बोझ अब नहीं उठाएगा मप्र, वित्त विभाग ने कसा शिकंजा

भोपाल। केंद्रीय योजनाओं में केंद्रांश की राशि आने का इंतजार किए बिना राज्य बजट से खर्च करने की प्रवृत्ति पर मध्यप्रदेश सरकार ने रोक लगा दी है। वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि केंद्रीय क्षेत्रीय और केंद्र प्रवर्तित योजनाओं में केंद्रांश प्राप्त होने के बाद ही राज्यांश की राशि का आहरण किया जाए। इस फैसले का उद्देश्य केंद्रीय प्रतिपूर्ति में देरी के कारण राज्य के बजट पर पड़ रहे अतिरिक्त दबाव को रोकना है। वित्त विभाग के एसीएस मनीष रस्तोगी ने सभी विभागों को इस संबंध में निर्देश जारी कर आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। विभागों को अब केंद्रीय राशि की प्रत्याशा में राज्य के संसाधनों से अग्रिम व्यय करने की अनुमति नहीं होगी। कई केंद्रीय योजनाएं प्रतिपूर्ति के सिद्धांत पर संचालित होती हैं। इनमें पहले व्यय होने के बाद केंद्र से निर्धारित राशि की प्रतिपूर्ति की जाती है। केंद्रीय राशि जारी होने में देरी के कारण कुछ विभाग राज्य बजट से केंद्रांश की राशि भी खर्च कर रहे थे। इससे राज्य के संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा था। वित्त विभाग का मानना है कि ऐसे खर्च से राज्य की अपनी योजनाओं और विकास कार्यों के लिए उपलब्ध बजट प्रभावित होता है।

आरएसएस के प्रचारकों का जवाब देगा कांग्रेस सेवादल

- मप्र में तैयार होगी विचारक टीम

भोपाल। मध्य प्रदेश में भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजनीतिक व वैचारिक प्रभाव का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस सेवादल अब संगठन को नई रणनीति के साथ मैदान में उतारने की तैयारी कर रहा है। सेवादल प्रदेशभर में विचारक टीम तैयार करेगा, जो ब्लॉक, बूथ और गांव स्तर तक पहुंचकर कांग्रेस की विचारधारा और जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों को लोगों के बीच रखेगी। इस रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए कांग्रेस सेवादल ने भोपाल में बड़ी बैठक बुलाई है। इसमें प्रदेशभर के जिलाध्यक्षों और वरिष्ठ पदाधिकारियों

को आमंत्रित किया गया है। बैठक में संगठन के विस्तार, प्रशिक्षण और आगामी अभियान की रूपरेखा तय की जाएगी। कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव के मुताबिक भाजपा और आरएसएस राष्ट्रवाद के नाम पर नफरत की राजनीति को बढ़ावा देते हैं। आरएसएस अपने प्रचारकों के माध्यम से अपनी विचारधारा को समाज के बीच ले जाता है। इसके जवाब में कांग्रेस सेवादल अब प्रशिक्षित विचारकों की टीम तैयार करेगा।

मप्र में डेढ़ लाख शिक्षकों पर टीईटी का दबाव

फेल हुए तो होगी अनिवार्य रिटायरमेंट

भोपाल। मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों में कार्यरत करीब डेढ़ लाख शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अब नौकरी की निरंतरता से जुड़ गई है। स्कूल शिक्षा विभाग के अनुसार संबंधित शिक्षकों को 31 अगस्त 2028 तक टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। तय अवधि में परीक्षा पास नहीं करने वाले शिक्षकों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने का प्रावधान बताया गया है। टीईटी के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 21 अगस्त से शुरू हो गई है और अभ्यर्थी 4 सितंबर तक आवेदन कर सकेंगे। परीक्षा मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा 12 अक्टूबर से आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा मुख्य रूप से वर्ष 1998 से 2011 के बीच नियुक्त शिक्षकों के लिए रखी गई है। पात्रता परीक्षा में कुल 150 प्रश्न होंगे और प्रत्येक प्रश्न एक अंक का रहेगा। परीक्षा में सफल होने के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, दिव्यांग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों को 50 फीसदी अंक, जबकि अन्य वर्गों के अभ्यर्थियों को 60 फीसदी अंक हासिल करना अनिवार्य

होगा। शिक्षकों के लिए सबसे बड़ी चिंता यह है कि परीक्षा सिर्फ पदोन्नति या नई नियुक्ति की पात्रता तक सीमित नहीं है, बल्कि निर्धारित समय में इसे पास नहीं करने पर सेवा पर असर पड़ सकता है। 15 दिन के विशेष अवकाश की मांग परीक्षा की तैयारी के लिए शिक्षक संगठनों ने सरकार से विशेष अवकाश देने की मांग की है। गुरुजी अध्यापक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश पटेल ने कहा कि शिक्षकों को तैयारी के लिए कम से कम 15 दिन का विशेष अवकाश मिलना चाहिए। शिक्षक संगठन ने यह भी मांग की है कि परीक्षा का सिलेबस जल्द जारी किया जाए। संगठन का कहना है कि जब शिक्षकों को परीक्षा पास करने के लिए समय सीमा तय की गई है, तो तैयारी के लिए पर्याप्त समय और स्पष्ट पाठ्यक्रम उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इसके अलावा परीक्षा शुल्क समाप्त करने और ऑनलाइन की जगह ऑफलाइन परीक्षा कराने की मांग भी उठाई गई है। फिलहाल प्रति प्रश्नपत्र 1,000 परीक्षा शुल्क निर्धारित बताया गया है। आवेदन में सुधार का मौका 9 सितंबर तक एमपीईएसबी के कार्यक्रम के अनुसार आवेदन की प्रक्रिया 21 अगस्त से शुरू होकर 4 सितंबर तक चलेगी। आवेदन में किसी तरह की त्रुटि होने पर 9 सितंबर तक ऑनलाइन सुधार किया जा सकेगा। कियोस्क के माध्यम से आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को पोर्टल शुल्क के रूप में 60 और सिटीजन यूजर के जरिए आवेदन करने पर 20 अतिरिक्त शुल्क देना होगा।

परीक्षा केंद्र पर पहचान पत्र जरूरी

परीक्षा में शामिल होने के लिए मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र अनिवार्य रहेगा। अभ्यर्थी मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस या पासपोर्ट में से किसी एक का उपयोग कर सकेंगे। यूआईडीएआई से सत्यापित ई-आधार ही मान्य होगा। परीक्षा केंद्र पर बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन भी किया जाएगा। निर्धारित रिपोर्टिंग समय के बाद पहुंचने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

मोबाइल-कैलकुलेटर पर रोक

परीक्षा कक्ष में मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, डिजिटल घड़ी, लॉग टेबल, नकल पर्ची और अन्य प्रतिबंधित सामग्री ले जाना पूरी तरह वर्जित रहेगा। परीक्षा शुरू होने के बाद समाप्ति तक अभ्यर्थी को परीक्षा कक्ष छोड? की अनुमति नहीं होगी। डेढ़ लाख शिक्षकों के लिए यह परीक्षा अब महज पात्रता परीक्षा नहीं रह गई है। दो साल की समय सीमा और सेवा पर संभावित असर के कारण टीईटी को लेकर शिक्षक संगठनों और सरकार के बीच आने वाले दिनों में विवाद और मांगें तेज होने की संभावना है।

स्वात्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)